सांध्य दैनिक

भारत मत

Web- www.bharatmatepaper.com

■ ग्वालियर ■ झांसी ■ भोपाल से एक साथ प्रकाशित

भोपाल, बुधवार 11 फरवरी 2026 फाल्गुन कृष्णपक्ष-9, संवत 2082, वर्ष-13 अंक-334 कुल पृष्ठ-8

मूल्य₹ 2.00

Email-

मौसम

	ग्वालियर	भोपाल
अधि.	27.0	28.0
न्यून.	14.0	16.0

सिनेमा@पेज-07

स्कूलों में राष्ट्रगीत के बाद शुरू होगी पढ़ाई; सिनेमाघरों को छूट

जन गण मन से पहले गाया जाएगा वंदे मातरम्: सभी छह पैरा गाना होगा जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीगीत 'वंदे मातरम' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। गृह मंत्रालय ने आदेश में कहा है कि अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। यह आदेश 28 जनवरी को जारी हुआ, लेकिन मीडिया में इसकी जानकारी 11 फरवरी को आई। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, आदेश में साफ लिखा है कि अगर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' साथ में गाए या बजाए जाएं, तो पहले वंदे मातरम गाया जाएगा। इस दौरान गाने या सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़ा रहना होगा।आदेश के मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरुआत राष्ट्रगीत बजाने के बाद ही होगी। नए नियमों के अनुसार, राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे। हालांकि, आदेश में यह भी कहा गया है किन-किन मौकों पर राष्ट्रगीत गाया जा सकता है, इसकी पूरी लिस्ट देना संभव नहीं है। यह पहली बार है जब राष्ट्रगीत के गायन को लेकर डिटेल में प्रोटोकॉल जारी किए गए हैं। केंद्र इस समय वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम मना रहा है।

राष्ट्रपति के आगमन और झंडारोहण जैसे कार्यक्रमों में गाया जाएगा

नई गाइडलाइन के अनुसार, तिरंगा फहराने, किसी कार्यक्रमों में राष्ट्रपति के आगमन, राष्ट्र के नाम उनके भाषणों और संबोधनों से पहले और बाद में, और राज्यपालों के आगमन और भाषणों से पहले और बाद में सहित कई आधिकारिक अवसरों पर वंदे मातरम बजाना अनिवार्य होगा। मंत्रियों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौजूदगी वाले गैर-औपचारिक लेकिन जरूरी कार्यक्रमों में भी राष्ट्रगीत सामूहिक रूप से गाया जा सकता है, बशर्ते इसे पूरा सम्मान और शिष्टाचार के साथ पेश किया जाए। 10 पेजों के आदेश में, सिविलियन पुरस्कार समारोहों, जैसे कि पद्म पुरस्कार समारोह या ऐसे किसी भी कार्यक्रम में जहां राष्ट्रपति उपस्थित हों, वहां भी वन्दे मातरम बजाया जाएगा।

सिनेमा हॉल में लागू नहीं होंगे नए नियमः हालांकि, सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले 'वंदे मातरम' बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा। वहीं अगर किसी न्यूजरील या डॉक्यूमेंट्री फिल्म के हिस्से के रूप में राष्ट्रगीत बजाया जाता है, तो दर्शकों के लिए खड़ा होना जरूरी नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी स्थिति में खड़े होने से प्रदर्शन में व्यवधान और अव्यवस्था हो सकती है।

18 फरवरी से शुरू होगी यूपी बोर्ड परीक्षा

झांसी

हाई स्कूल और इंटर की परीक्षा को करवाने के लिए 68 परीक्षा केंद्र पूरे जिले भर में बनाए गए हैं. सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं. हाई स्कूल और इंटर की परीक्षा पारदर्शी निष्पक्ष और व्यवस्थित हो इसके लिए सभी औपचारिकताओं को पूरा कर दिया गया है. इस साल दोनों ही परीक्षा में विद्यार्थियों की संख्या घटे नहीं इसका भी शिक्षा विभाग में खास ध्यान रखा है।18 फरवरी से शुरू होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग के स्तर से अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है. इस साल की बोर्ड परीक्षा में हाई स्कूल और इंटर को मिलाकर 45 हजार से भी अधिक छात्र और छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे. सुबह और दोपहर की पाली में हाई स्कूल और इंटर की बोर्ड परीक्षा को करवाने को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने नकल विहीन परीक्षा कराई जाए इसके अलावा जिले के सभी परीक्षा केंद्रो पर सुरक्षा की सख्त तैनाती रहेगी।

संसद में कहा-हम आपके नौकर नहीं

अमेरिका को हमारा डेटा चाहिए: हमारी सरकार होती तो ट्रम्प से कहते- डील पर बराबरी से बात होगी: राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का भाषण जारी है। राहुल ने कहा- हम युद्ध के दौर में जी रहे हैं। गाजा में युद्ध, रूस-यूक्रेन के बीच चल रही है। चीन अमेरिका को चैलेंज कर जा रहा है। अब एनर्जी और फाइनेंस को हथियार बना दिया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर भी चल रहा है। राहुल ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि युद्ध का युग समाप्त हो गया है, लेकिन हम युद्ध के युग में प्रवेश कर रहे हैं। देश के बजट में दुनियाभर के संघर्षों के असर से निपटने को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। बजट में एनर्जी और फाइनेंस को वेपनाइजेशन के बारे में कुछ नहीं है। राहुल ने कहा- सेंट्रल पीस है मार्शल आर्ट का। किसी भी जूडो वाले से, कराटे वाले से पूछ लीजिए, ये ग्रुप का खेल है। जुजुत्सु में भी ये दिखता है। कहां किसने ग्रिप ले रखी है, ये दिखता है। राहुल ने कहा- हम जियोपॉलिटिकल कॉन्फ्लिक्ट के दौर में रह रहे हैं। यूएस के डॉमिनेंस को चीन के द्वारा चैलेंज किया जा रहा है। अब ऊर्जा और फाइनेंस को हथियार बना दिया गया है। हम युद्ध के दौर में रह रहे हैं। गाजा, यूक्रेन को देख लीजिए। ऑपरेशन सिंदूर भी चल रहा है। भारत की सभी ढ्ढञ्ज कंपनियां संघर्ष कर रही हैं। लोकसभा से निलंबित विपक्ष के आठ सांसदों का निलंबन वापस नहीं होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार के सूत्रों ने कहा है कि इनका निलंबन पूरे बजट सत्र के लिए है जो दो अप्रैल को खत्म हो रहा है। कांग्रेस के 7 और CPM के एक सांसद को तीन फरवरी को निलंबित किया गया था। इन सांसदों पर राहुल गांधी को न बोलने देने के विरोध में हंगामा करने का आरोप है। सांसदों ने चेयर पर कागज फाड़ कर फेंके थे। निलंबित हुए सांसदों में कांग्रेस से मणिक्कम टैगोर, अमरिंदर सिंह राजा, गुरजीत सिंह औजिला, हिबी ईडन, डीन कुरियकोज, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और CPM के एस वेंकटेशन शामिल हैं। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे (रिटायर्ड) की किताब को लेकर उठे विवाद पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- यह पूरा मामला देश की जनता के सामने है कि संसद का एक सदस्य (राहुल गांधी) किस तरह सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मामले का गलत तरीके से राजनीतिक लाभ उठाने के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। रिजिजू ने कहा- यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर सेना प्रमुख और रक्षा मंत्री की हर बातचीत, सीनियर सेना अधिकारियों के बीच या प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के बीच हर बातचीत सार्वजनिक कर दी जाएगी, तो देश की सुरक्षा कैसे कायम रखी जा सकती है? विपक्ष ने संसद की कार्यवाही के 10वें दिन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश किया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। न्यूज एजेंसी ढ्ढह्रस् ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ओम बिरला अब लोकसभा नहीं जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने के बाद ही वह स्पीकर की चेयर संभालेंगे।

भारत के डेटा पर अमेरिका और चीन की नजर

राहुल ने कहा- देश के 140 करोड़ लोगों के पास बहुत बड़ा चैलेंज है। भारत से एक बहुत बड़ा डेटा जेनरेट रहा है। ढ्ढ के आने से एक बहुत बड़ा संकट दिख रहा है। पुराने सिस्टम को चुनौती दी जा रही है। ढ्ढ के लिए डेटा पेट्रोल की तरह है। बजट में कुछ नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा- डॉलर को बचाने के लिए अमेरिका को डेटा चाहिए। अमेरिका और चीन की नजर भारत के डेटा पर है। हम होते तो कहते कि हमें अपना डेटा बचाना है। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण लोग हैं। वे क्या सोचते हैं, क्या करते हैं, यह जरूरी है। हमारे लोग ही हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं।

रिजिजू का बड़ा आरोप

'कांग्रेस सांसदों ने चेंबर में घुसकर स्पीकर को गालियां दीं, प्रियंका गांधी भी वहां मौजूद थी'

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की खबरों के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस सांसदों पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सांसद लोकसभा स्पीकर के चेंबर में घुस गए और उन्हें गाली दी। उन्होंने कहा, फ्रकम से कम 20-25 कांग्रेस सांसद लोकसभा स्पीकर के चैंबर में घुस गए और उनके साथ गाली-गलौच की, मैं भी उस समय वहीं मौजूद था। स्पीकर बहुत नरम इंसान हैं, नहीं तो सख्त कार्रवाई होती। प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल समेत सीनियर कांग्रेस नेता भी उस समय वहीं मौजूद थे, और वे उन्हें लड़ने के लिए उकसा रहे थे।

बीएमसी में पहली बार भाजपा का मेयर, निर्विरोध चुनी गईं रितु तावड़े

संजय घाड़ी बने उपमहापौर

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा पार्षद रितु तावड़े मुंबई नगर निगम की निर्विरोध मेयर चुनी गईं। शिवसेना (यूबीटी) की ओर से उम्मीदवार न उतारने के फैसले के बाद चार दशकों में पहली बार मुंबई की महापौर भाजपा से चुनी गई हैं। इस चुनाव के निर्विरोध होने से ठाकरे परिवार का सबसे धनी नगर निकाय पर 25 वर्षों का वर्चस्व खत्म हो गया। 227 सदस्यीय नगर निकाय के बीएमसी चुनावों में, भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना ने 29 सीटें जीतीं। भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन ने 118 पार्षदों की संयुक्त शक्ति के साथ महापौर पद पर आसानी से जीत हासिल कर ली।

चुनाव का क्या आया था रिजल्ट

शिवसेना (यूबीटी), जिसने 1997 से 25 वर्षों तक नगर निकाय पर शासन किया, ने 65 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) ने क्रमशः छह और एक सीट जीती।

कौन हैं रितु तावड़े?

रितु तावड़े घाटकोपर पश्चिम से तीन बार की पार्षद है। उन्हें नागरिक प्रशासन और जन कल्याण में जमीनी स्तर की राजनीति का एक दशक से अधिक का अनुभव है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, तावड़े अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण और सामुदायिक जुड़ाव के लिए जानी जाती हैं और उन्होंने प्रशासनिक दक्षता और स्थानीय लोगों से गहरे जुड़ाव को संयोजित करने वाली नेता के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से 6 राज्यों में आंधी के साथ बारिश का अलर्ट, पहाड़ों पर हो सकती है बर्फबारी

नई दीली/भोपाल

देश में अब एक बार फिर मौसम तेजी से बदल रहा है। कई इलाकों में ठंड कम होने लगी है। सुबह-शाम हल्की ठंड के साथ दिन के समय तेज धूप निकल रहा है। वहीं पश्चिमी विक्षोभ के असर से कुछ राज्यों में बारिश होने की भी संभावना है। जिससे एक बार फिर मौसम में बदलाव हो सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण कई राज्यों में झमाझम बारिश हो सकती है। इनमें उत्तर भारत के हिमालयी राज्य, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड शामिल हैं। बुधवार को इन राज्यों में बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही तापमान में गिरावट होगी। वहीं बर्फबारी होने की भी आशंका जतायी जा रही है। इस दौरान दिल्ली-एनसीआर के मौसम में बहुत अधिक बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग की मानें, तो 10 से 13 फरवरी के बीच दिल्ली का आसमान साफ रहेगा। दिन के समय अच्छी धूप निकलेगी। वहीं सुबह हल्का कोहरा छाए रहने की संभावना है। इस समय दिल्ली में अधिकतम तापमान 25 डिग्री से. और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभों का उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड पर बहुत अधिक पड़ने की संभावना नहीं है। इन राज्यों में तापमान धीरे-धीरे बढ़ रहा है, आने वाले 2-3 दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि इन राज्यों में रात का न्यूनतम तापमान 5 से 10 डिग्री के बीच ही बने रहने की संभावना है।

छह राज्यों में बारिश और तेज आंधी की संभावना

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, आने वाले 13 से 17 फरवरी तक पश्चिमी विक्षोभ ने उत्तर भारत का मौसम प्रभावित रह सकता है। इस दौरान आंधी-तूफान चलने और बिजली गिरने की भी संभावना है । वहीं कई इलाकों में 30-40 किमी रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित 6 राज्यों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। पंजाब हरियाणा और चंडीगढ़ में भी बारिश और तेज हवाएं चलने की आशंका है।

यूजीसी के नए नियम का विरोध

'जनरल कैटेगरी के साथ भेदभाव' वाली याचिका पर सुप्रीमकोर्ट का केंद्र-यूजीसी को नोटिस, दिया ये निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज केंद्र सरकार और यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (GC) को हाल ही में नोटिफाई किए गए यूजीसी रेगुलेशन 2026 को चुनौती देने वाली दो नई याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। अदालत ने निर्देश दिया कि इन नई याचिकाओं को पहले की याचिका के साथ जोड़ दिया जाए और सभी मामलों की एक साथ सुनवाई की जाएगी। नई याचिका में कहा गया है कि नए नियम जनरल कैटेगरी के साथ भेदभाव करते हैं और उनके फंडामेंटल राइट्स का उल्लंघन करते हैं। यूजीसी रेगुलेशन 2026 के तहत देश की सभी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों को भेदभाव की शिकायतों की जांच करने, बराबरी और सबको साथ लेकर चलने को बढ़ावा देने के लिए एक इक्वल ऑपर्च्युनिटी सेंटर (EOC) और कैंपस-लेवल की कमेटियां बनाना जरूरी था। हालांकि इस नियम को बड़े पैमाने पर विरोध का सामना करना पड़ा। खासकर, जनरल कैटेगरी के छात्रों की ओर से हुए विरोध की वजह से फिलहाल इसे रोक दिया गया है। बेंच ने नियमों में पूरी तरह से साफ न होने की बात कही, जिससे उनके गलत इस्तेमाल का खतरा बढ़ जाता है। सुनवाई के दौरान भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने आजादी के 75 साल बाद भी जाति के आधार पर भेदभाव जारी रहने की बात कही थी।

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

इससे पहले कोर्ट ने केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी किया था और नियम को लागू करने पर रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यूजीसी नियमों के नियमों पर फिर से विचार करने के लिए एक कमेटी बनाने का भी सुझाव दिया। वहीं, मिली हुई याचिकाओं की सुनवाई की तारीख जल्द ही तय की जाएगी।

17 फरवरी से 10 अप्रैल तक है बोर्ड एग्जाम

सीबीएसई 12वीं की 1 करोड़ कॉपियां डिजिटली चेक होंगी: 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

इस बार सीबीएसई 12वीं के 17 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स की कॉपियां ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम से जांची जाएंगी। मतलब ये कि इन्हें डिजिटल तरीके से जांचा जाएगा। सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक होनी है। इसके लिए हर छात्र की सभी आंसर शीट्स (उत्तरपुस्तिका) के हर पन्ने को परीक्षा केंद्र में ही स्कैन करके कंप्यूटर सिस्टम में अपलोड किया जाएगा। करीब 1 करोड़ कॉपियों के लगभग 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे। परीक्षक इन डिजिटल कॉपियों की जांच करके ही नंबर देंगे। 10वीं बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों की चे?किंग पहले की तरह कागज पर ही होगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज के मुताबिक इस नई व्यवस्था से उत्तर पुस्तिकाओं के ट्रांसपोर्ट में लगने वाला समय और खर्च बचेगा। शिक्षक अपने स्कूल में रहते हुए ही मूल्यांकन कर सकेंगे, बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। मूल्यांकन को अधिक पारदर्शी, तेज और गलतीरहित बनाने के मकसद से बोर्ड ने यह प्रणाली लागू करने का फैसला लिया है।

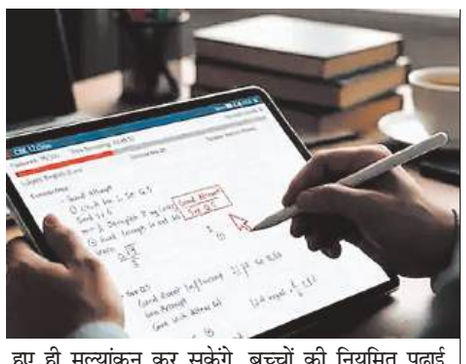

7 चरण में जानें, कैसे होगी ऑनस्क्रीन मार्किंग

पहला चरण: छात्र परीक्षा केंद्र पर पहले की तरह कॉपी में उत्तर लिखेंगे। परीक्षा ऑफलाइन ही होगी। बोर्ड परीक्षा में विषय के हिसाब से 40 पेज, 32 पेज और 20 पेज की कॉपी का इस्तेमाल होता है।

दूसरा चरण: सभी उत्तर पुस्तिकाएं हाई सिक्योरिटी स्कैनिंग सेंटर में स्कैन होंगी। यह स्कूल के कंप्यूटर लैब में ही होगा। हर पेज की डिजिटल इमेज बनेगी। हर कॉपी को यूनिक कोड मिलेगा। कॉपी जांचते समय छात्र का नाम व रोल नंबर नहीं दिखेगा। इससे पक्षपात की संभावना खत्म होगी।

तीसरा चरण: सीबीएसई के स्कूल के टीचर कंप्यूटर लैब में ओएसिस आईडी से ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) पोर्टल पर लॉगइन करेंगे। तब उन्हें पता चलेगा कि आज उन्हें कितनी कॉपियां जांचनी हैं।

चौथा चरण: छात्र की कॉपी के स्कैन किए हुए पेज शिक्षक के सामने आएंगे। हर प्रश्न के लिए एक अलग मार्क्स कॉलम होगा, जिसमें उस प्रश्न के पूर्णांक (कुल मार्क्स) लिखे होंगे। शिक्षक उसमें छात्र के जवाब के हिसाब से जो भी मार्क डालेंगे, वह सिस्टम में अपने आप 'सेव' हो जाएगा।

पांचवां चरण: जब कॉपी पूरी चेक हो जाएगी तो शिक्षक को अंकों का जोड़-घटाव नहीं करना है। टोटलिंग खुद होगी।

छठा चरण: कुछ कॉपियों को री-चेक या मॉडरेशन के लिए दूसरे वरिष्ठ परीक्षक को भी दिखाया जा सकता है। पूरा ट्रैक रिकॉर्ड सिस्टम में रहेगा कि किस शिक्षक ने कब कितनी देर में कैसे मूल्यांकन किया।

सातवां चरण: यहां से अंक सीधे सीबीएसई के रिजल्ट डेटाबेस में पहुंच जाएंगे यानी कोई मार्क ट्रांसफर, मैनुअल एंट्री और दोबारा सत्यापन की जरूरत नहीं होगी। रिजल्ट तय तारीख पर कम विवाद और ज्यादा भरोसे के साथ घोषित हो सकेंगे।

जेल में बंद जनपद अध्यक्ष चरण धुर्वे पद से बर्खास्त, आदेश जारी किया

डिंडौरी करंजिया

डिंडौरी जिले में एक के बाद एक लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने वाले जिला जेल में बंद जनपद अध्यक्ष करंजिया चरण धुर्वे की कुर्सी भी छिन गई है। आरोपित जिलाबदर की कार्यवाही के बाद एक वर्ष तक बिना नोटिस तामील के फरार था। कलेक्टर ने मंगलवार को जनपद अध्यक्ष को पद से हटाने का आदेश जारी कर दिया। अध्यक्ष को पद से हटाने की सूचना राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय भोपाल भेज दी गई है। यहां से नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए तिथि घोषित होगी। ऐसे में चरण सिंह धुर्वे के पद से हटने के बाद से ही जनपद क्षेत्र में अध्यक्ष के दावेदार सक्रिय हो गए हैं। गौरतलब है कि रेत ठेकेदार कर्मियों के साथ मारपीट और लूट के मामले में पुलिस ने जो मामला दर्ज किया था उसमें जनपद अध्यक्ष जेल में बंद है। जिला न्यायालय से जमानत की याचिका भी खारिज हो चुकी है। करंजिया थाना पुलिस ने जो प्रतिवेदन कलेक्टर को सौंपा है उसमें स्पष्ट तौर पर उल्लेख किया गया है कि दस जनवरी 2025 को कलेक्टर न्यायालय से जनपद अध्यक्ष चरण सिंह धुर्वे को जिलाबदर करने का आदेश जारी हुआ था।

ब्रीफ न्यूज

बर्फ पिघलने से म.प्र में आएंगी सर्द हवाएं..

भोपाल। मध्य प्रदेश में अगले 2 दिन तेज ठंड नहीं पड़ेगी। इससे टेम्परेचर 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। पहाड़ों से जब साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) गुजर जाएगा और बर्फ पिघलेगी तो प्रदेश में सर्द हवाएं फिर से ठिठुरन बढ़ाएगी। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे की माने तो पूरे फरवरी महीने मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर देखने को मिलेगा। फिलहाल बारिश होने के आसार नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। वहीं, पहाड़ों में बर्फबारी और बारिश होने का अनुमान है। इस वजह से प्रदेश में अगले 2 दिन तक तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के अधिकांश हिस्से में सोमवार को दिन में तेज धूप खिली रही। इससे अधिकतम तापमान में बढ़ा हुआ रहा। हालांकि, रात व अलसुबह ठंड का असर बरकरार रहेगा। पारे में जरूर बढ़ोतरी होगी।

इंदौर में कोचिंग टीचर ने की नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़

इंदौर। इंदौर में कोचिंग संचालक ने 10वीं क्लास की छात्रा से छेड़छाड़ की है। डेली कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा की शिकायत पर अन्नपूर्णा पुलिस ने कैटेलाइजर कोचिंग संस्थान के टीचर आदेश जोशी के खिलाफ स्नड्डक दर्ज कर ली है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह कोचिंग गई थी। कुछ कागजात न होने के कारण पहली मंजिल पर बने क्लासरूम में बैग रखकर नीचे आई। इसी दौरान आदेश ने इशारे से अपने पास बुलाकर बैठने को कहा। बाद में आदेश पैसेज एरिया में चला गया। वहां बुलाकर छात्रा से किस करने की बात कही। छात्रा का हाथ पकड़कर उसे केबिन में ले गया, जबरन अपनी ओर खींचने की कोशिश की। छात्रा किसी तरह वहां से निकलकर ऊपर सीनियर टीचर के पास पहुंची। उसे पूरी घटना बताई। छात्रा का आरोप है कि सीनियर टीचर ने मामले को दबाने का प्रयास किया।

अकाउंटेंट बोली- पति स्मैक और गांजा बेचता है

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज इलाके की एक महिला ने अपने पति को गांजा और स्मैक बेचने के आरोप में गिरफ्तार कराया है। सोमवार को महिला ने पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से फोन पर बताया कि उसका पति बुद्ध किरण भिड़े कॉलेज और हॉस्टल के छात्र-छात्राओं को नशे का सामान सप्लाई करता है। महिला ने मादक पदार्थों (स्मैक-गांजा) से जुड़ा एक वीडियो भी कमिश्नर को भेजा था। वीडियो देखने के बाद कमिश्नर ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद सोमवार रात को पुलिस ने महालक्ष्मी नगर स्थित पान दुकान पर दबिश देकर बुद्ध किरण को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी को उसके घर भी ले गई, जहां से गांजा जब्त किया गया है। लसूड़िया पुलिस की पूछताछ में आरोपी बुद्ध किरण ने बताया कि वह सनावद के पास धर्मेंद्र नाम के व्यक्ति और छोटी ग्वालटोली क्षेत्र के एक अन्य व्यक्ति से मादक पदार्थ खरीदता था।

लांजी के भाजपा विधायक को हाईकोर्ट से राहत

जबलपुर। लांजी से भाजपा विधायक राजकुमार करहिे को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। पूर्व विधायक किशोर समरीते ने हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए राजकुमार करहिे के निर्वाचन को चुनौती दी थी, जिस पर सोमवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज कर दिया है। राजकुमार करहिे ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। जस्टिस डीडी बंसल की सिंगल बेंच के समक्ष भाजपा विधायक की ओर से आपत्ति जताई गई कि किशोर समरीते को एक आपराधिक मामले में 5 साल की सजा सुनाई गई है, उनकी सजा अभी निलंबित है, खत्म नहीं हुई, ऐसे में जो खुद दागी है, वो कैसे निर्वाचन पर सवाल उठा सकता है। इस आपत्ति के मद्देनजर हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। किशोर समरिते की ओर से दायर याचिका में बताया गया था कि 17 नवंबर 2023 को हुए विधानसभा चुनाव में लांजी विधानसभा सीट पर राजकुमार करहि का निर्वाचन हुआ। किशोर समरीते ने संयुक्त क्रांति मोर्चा से अपना नामांकन भरा था। किशोर समरीते को 5 साल की सजा मिली थी, जिसका हवाला देकर निर्वाचन अधिकारी के सामने आपत्ति पेश गई, इस आपत्ति पर निर्वाचन अधिकारी ने नवंबर 2023 को याचिकाकर्ता किशोर समरीते का नामांकन निरस्त कर दिया।

बजट सत्र में आने वाले विधेयकों को मिलेगी मंजूरी, तीसरे अनुपूरक बजट को स्वीकृति देगी मोहन कैबिनेट

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। राज्य सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य घोषित कर दिया है। इस साल 2585 रुपए क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। वहीं कैबिनेट की अगली बैठक कृषि को समर्पित होगी। यह बैठक बालाघाट में की जाएगी। मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में वित्त वर्ष 2026-27 के आम बजट और सरकार के तीसरे अनुपूरक बजट पर चर्चा हुई। वित्त के अधिकारियों से मुख्यमंत्री और फिर कैबिनेट के सामने प्रजेंटेशन दिया। बैठक में आबकारी नीति 2026-27 को भी मंजूरी दी जा सकती है। सरकार शराब से राजस्व बढ़ाने के फैसले पर निर्णय ले सकती है। साथ ही सोयाबीन की खरीदी के लिए समर्थन मूल्य तय कर किसानों से खरीदी करने का प्रस्ताव भी कैबिनेट बैठक में आ सकता है। बैठक से पहले, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में गेहूं का उपार्जन 7 फरवरी से शुरू हो गया है, जो 7 मार्च तक चलेगा। इसके लिए प्रदेशभर में 3186 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। गेहूं का समर्थन मूल्य गत वर्ष की तुलना में 160 रुपए अधिक रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रदेश को सकारात्मक परिणाम मिले हैं। मातृ मृत्यु दर 173 से घटकर 142 और शिशु मृत्यु दर 41 से घटकर 37 हो गई है। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में मध्य प्रदेश देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है। सिकल सेल उन्मूलन के लिए प्रदेश में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। आयुष्मान योजना के तहत उपचार उपलब्ध कराने में मध्य प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। एयर एंबुलेंस सेवा और राहवीर योजना के क्रियान्वयन में भी निरंतर प्रगति हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी जिलों में विक्रमोत्सव और गुड़ी पड़वा का पर्व उल्लास और उत्साह के साथ मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसके तुरंत बाद प्रदेश में जल गंगा अभियान शुरू किया जाएगा, जो तीन महीने तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को अपने-अपने जिलों में अभियान की गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के समक्ष आज को वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण किया गया। मंत्रालय में हुई बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी और वित्त विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बजट प्रस्तावों को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बेहतर बताते हुए कहा कि प्रस्तावों में सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास तथा कल्याण का ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बजट प्रस्तावों के संबंध में उप मुख्यमंत्री देवड़ा के दृष्टिकोण तथा प्रस्ताव तैयार करने में विभागीय अधिकारियों- कर्मचारियों द्वारा किए गए परिश्रम की सराहना की। इसके बाद मंत्रि परिषद के समक्ष बजट प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण हुआ। मंत्रि परिषद द्वारा अनुमोदित बजट 18 फरवरी को विधानसभा में उप मुख्यंमत्री जगदीश देवड़ा पेश करेंगे।

डीईओ के नेतृत्व में संयुक्त दल द्वारा परीक्षाओं का निरीक्षण

भारतमत रिपोर्टर

श्योपुर, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी श्री एमएल गर्ग, सहायक संचालक श्री यश जैन एवं परीक्षा प्रभारी के संयुक्त दल द्वारा कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा व्यवस्थाओं, गोपनीयता, प्रश्नपत्र वितरण, बैठने की व्यवस्था एवं परीक्षा संबंधी निर्देशों के पालन की समीक्षा की गई। दल द्वारा शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेसईपुरा, मॉडल स्कूल कराहल, माध्यमिक विद्यालय बरगवा, उत्कृष्ट विद्यालय कराहल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संचालित पाई गई। केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा की पारदर्शिता एवं शुचिता बनाए रखते हुए शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। जिला शिक्षा अधिकारी श्री गर्ग ने कहा कि बोर्ड परीक्षा की निष्पक्षता एवं अनुशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

डबरा में कलश बांटते वक्त भगदड़...

महिला की मौत, बच्ची समेत 8 घायल; महिलाओं को कुचलते निकली भीड़

भारतमत रिपोर्टर

डबरा। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा में नवग्रह मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कलश यात्रा शुरू होने से पहले भगदड़ मच गई। इसमें 70 वर्षीय महिला रति साहू की मौत हो गई। बच्ची समेत 8 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर है। ग्वालियर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक भगदड़ तब मची जब कलश यात्रा से पहले कलश बांटे जा रहे थे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने अचानक स्टेडियम का गेट खोल दिया, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। महिलाएं एक दूसरे पर गिर गईं। वहीं मृतक महिला की बहू ने बताया कि पुलिसकर्मियों की लापरवाही से हादसा हुआ। भीड़ को कंट्रोल नहीं किया गया। इसी वजह से सास रति साहू को भीड़ कुचलते निकल गई। घायल सास को अस्पताल लेकर गए, तो डॉक्टर्स ने लापरवाही बरती। यहां ऑक्सीजन के लिए मेरी सास 30 मिनट तक तड़पती रही। नवग्रह शक्तिपीठ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत दोपहर 1 बजे कलश यात्रा प्रस्तावित थी। इसके लिए महिलाओं को सुबह 11 बजे स्टेडियम पहुंचने को कहा गया था, लेकिन सुबह 9 बजे से ही महिलाएं बड़ी संख्या में ग्राउंड पर जुटने लगी थीं। भीड़ लगातार बढ़ती रही, लेकिन एंट्री गेट और अंदरूनी व्यवस्था के लिए पर्याप्त नियंत्रण नहीं किया गया। दावा है कि कलश यात्रा के लिए 1000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी, लेकिन भगदड़ के वक्त लोगों को 2 पुलिसकर्मी ही बचते दिख रहे हैं। हादसे के बाद स्टेडियम ग्राउंड में हर तरफ महिलाओं की चप्पलें, टूटी चूड़ियां और बिखरा सामान पड़ा मिला। यह दृश्य भगदड़ की भयावहता को बयान कर रहा था। कई महिलाएं हादसे के बाद भी ग्राउंड पर बैठी नजर आईं। उनका कहना था कि उन्हें यात्रा के लिए बुलाया गया था, लेकिन न तो कलश मिला और न ही सही जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सुरक्षा के लिए करीब 1000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। आईजी, कमिश्नर, एसपी और कलेक्टर लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। इसके बावजूद इतनी बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं को नियंत्रित नहीं किया जा सका। भगदड़ के दौरान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि गेट खोलते ही भीड़ बेकाबू हो जाती है। महिलाएं कलश लेने के लिए दौड़ती हैं। महिलाएं जमीन पर गिर जाती हैं। एक दूसरे को कुचलते निकलती हैं। हादसे के वक्त घायलों को सिर्फ 2 पुलिसवाले बचाते नजर आए। कलेक्टर रुचिका चौहान ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

सेंट्रल बैंक में किसान के बैग से 87 हजार रुपये चोरी, लाइन में खड़े रहते बनाया शिकार

भारतमत रिपोर्टर

गोरमी के पोरसा रोड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे एक किसान के साथ चोरी की वारदात सामने आई। पत्ता पूरा निवासी किसान सोबरन सिंह के बैग से अज्ञात युवक ने 87 हजार रुपये निकाल लिए। जानकारी के अनुसार किसान सोबरन सिंह केसीसी खाते से जुड़े पैसे बैंक में जमा करने आए थे। वे जब कैश काउंटर पर पैसे जमा करने के लिए लाइन में लगे हुए थे, उसी दौरान उनके पीछे एक युवक आकर खड़ा हो गया। इसी बीच मौका पाकर युवक ने किसान के बैग से रुपये निकाल लिए और भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गया।

भोपाल स्टेशन फुटओवर ब्रिज हादसा...मरने के बाद मिला इंसाफ

रेलवे का तर्क- यात्रा खत्म, जिम्मेदारी खत्म, आयोग ने कहा- स्लैब गिरना गंभीर लापरवाही

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन के फुटओवर ब्रिज हादसे में रेलवे जिस दलील के सहारे जिम्मेदारी से बचना चाहता था, उसे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने सख्ती से खारिज कर दिया है। रेलवे का तर्क था कि ट्रेन से उतरते ही यात्री की यात्रा समाप्त हो जाती है और स्टेशन की सुविधाएं नि:शुल्क होती हैं, इसलिए उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती। हालांकि, आयोग ने स्पष्ट किया कि फुटओवर ब्रिज रेल यात्रियों के लिए अनिवार्य सुविधा है और उसका स्लैब गिरना सीधे तौर पर रेलवे की लापरवाही तथा सेवा में कमी का प्रमाण है। आयोग ने माना कि यात्रियों के उपयोग में आने वाले फुटओवर ब्रिज का न तो सही ढंग से निर्माण किया गया था और न ही समय-समय पर उसका रखरखाव किया गया। यही लापरवाही एक बड़े हादसे का कारण बनी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल परिवादी खालिद बेग की मृत्यु 19 नवंबर 2023 को हो चुकी है। रेलवे की ओर से प्रस्तुत लिखित कथन में कहा है कि परिवाद में दर्ज पीएनआर से संबंधित टिकट, एफआईआर और मेडिकल दस्तावेज रिकॉर्ड का हिस्सा हैं, जिन पर पृथक से जवाब देने की आवश्यकता नहीं है। रेलवे ने भारतीय रेल अधिनियम की धारा 2(14) का हवाला देते हुए कहा कि किराया केवल यात्री को ट्रेन में यात्रा कराने के लिए लिया जाता है। रेलवे के अनुसार, जैसे ही यात्री अपने गंतव्य स्टेशन पर उतरता है, उसकी यात्रा समाप्त हो जाती है। इसके बाद स्टेशन पर उपलब्ध सभी सुविधाएं नि:शुल्क होती हैं। इसी आधार पर रेलवे ने परिवाद को प्रचलन योग्य नहीं मानते हुए उसे खारिज करने की मांग की। रेलवे ने अपने पक्ष में पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के मंडल वाणिज्य प्रबंधक आर.के. पाराशर का शपथपत्र भी प्रस्तुत किया।

शासकीय राशि के दुरूपयोग पर सरपंच, सचिवों से वसूली के आदेश जारी

भारतमत रिपोर्टर

सीईओ जिला पंचायत द्वारा गढी, बुढेरा, बैनीपुरा पंचायतों के संबंध में जारी किये आदेश

श्योपुर, न्यायालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद द्वारा पंचायतीराज अधिनियम 1993 की धारा 89(1) के तहत शासकीय राशि के दुरूपयोग तथा नियम विरूद्ध भुगतान के मामले में तीन पंचायतों के सरपंच, सचिवों एवं रोजगार सहायको से राशि वसूली के संबंध में आदेश जारी किया गया है। इनमें ग्राम पंचायत गढी, बुढेरा एवं बैनीपुरा शामिल है। कुल 6 लाख 38 हजार 928 रूपये की वसूली के आदेश दिये गये है। इस मामले में सीपी ग्राम पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की जांच कराई गई तथा जांच प्रतिवेदन के उपरांत मध्यप्रदेश पंचायतराज अधिनियम 1993 की धारा 89(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर संबंधितों को सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया।

एसपी कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

भारतमत रिपोर्टर

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सिंगरौली में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस जनसुनवाई में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याएँ एवं शिकायतें प्रस्तुत कीं। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक आवेदक से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना। कई मामलों का मौके पर ही त्वरित समाधान किया गया, जबकि शेष आवेदनों पर वैधानिक प्रक्रिया के तहत शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को दिए गए। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा, नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर उमेश प्रजापति, थाना प्रभारी कोतवाली अशोक सिंह परिहार, थाना प्रभारी विंध्यनगर अर्चना द्विवेदी, महिला थाना प्रभारी आराधना सिंह परिहार, उप निरीक्षक स्वतंत्र रावत सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विशेष रूप से महिला फरियादियों की शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ ध्यान दिया गया। महिला अधिकारियों द्वारा उनकी काउंसलिंग कराई गई तथा मामलों के त्वरित और प्रभावी निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन ने दोहराया कि सिंगरौली पुलिस आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और जनहित में ऐसे जनसुनवाई कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि आम नागरिकों को त्वरित न्याय और राहत मिल सके।

म.प्र में करीब 7 लाख 12वीं के स्टूडेंट्स का एग्जाम

3856 केंद्रों पर पहला पेपर, भोपाल में 2600 छात्रों ने दी परीक्षा

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। मध्य प्रदेश में 12वीं बोर्ड परीक्षाएं आज से शुरू गई हैं। सोमवार को पहले दिन अंग्रेजी का पेपर संपन्न हुआ। इस साल करीब 7 लाख स्टूडेंट्स कक्षा 12वीं के फाइनल एग्जाम दे रहे हैं। प्रदेश भर में 3856 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। नकल रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड, सीसीटीवी निगरानी और थानों से प्रश्न-पत्र निकालने तक वीडियोग्राफी की गई है। सभी परीक्षाएं सुबह 9 से 12 बजे तक होंगी। भोपाल के 104 सेंटर पर 2600 के करीब स्टूडेंट ने मंगलवार को एग्जाम दिया है। इस बार प्रदेश में 10वीं और 12वीं की परीक्षा में करीब 16 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें 9 लाख 7 हजार विद्यार्थी कक्षा 10वीं की परीक्षा देंगे, जबकि करीब 7 लाख छात्र 12वीं की बोर्ड परीक्षा में बैठ रहे हैं। इतने बड़े स्तर पर होने वाली परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, नकलमुक्त और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और शिक्षा विभाग ने महीनों पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं। सोमवार को हुए 12वीं अंग्रेजी के पर्चे के बाद सेंटर से निकलते हुए विद्यार्थियों ने कहा कि पेपर ठीक और मिलाजुला रहा है। जलज शर्मा ने बताया कि आज का एग्जाम बहुत अच्छा रहा। उन्नति ने बताया कि एग्जाम जैसा सोचा था वैसा ही आया। वंश ठाकुर ने बताया कि पेपर आसान था। जैसा सोचा वैसा ही आया था। बोर्ड परीक्षाओं के लिए पूरे प्रदेश में 3856 परीक्षा केंद्र बनाए हैं। भोपाल की बात करें तो यहां 10वीं के 30 हजार 746 और 12वीं के 26 हजार 627 छात्र परीक्षा दे रहे हैं। इन छात्रों के लिए भोपाल में कुल 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। हर जिले में चार-चार फ्लाइंग स्क्वॉड गठित किए हैं। इनमें से दो स्क्वॉड विकासखंड स्तर पर और दो जिला स्तर पर काम करेंगे। हर स्क्वॉड में तीन सदस्य होंगे और तीनों पुलिस या प्रशासनिक स्तर के अधिकारी होंगे, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई हो सके। नकल और अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए इस बार तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रशासन ने संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की पहचान कर वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। इन केंद्रों पर होने वाली गतिविधियों पर भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से सीधी निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा, थानों से प्रश्न-पत्र निकालने के दौरान भी वीडियोग्राफी अनिवार्य की गई है और सुरक्षा गार्ड्स की तैनाती की गई है। इसका मकसद है कि परीक्षा प्रक्रिया की हर कड़ी पारदर्शी और सुरक्षित बनी रहे। माध्यमिक शिक्षा मंडल की तरफ से स्कूलों को कहा है कि नोटिस बोर्ड, मॉर्निंग असेंबली और अभिभावक व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए यह सूचना तुरंत साझा करें। शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि कोई भी छात्र पुरानी तारीखों के भरोसे परीक्षा से वंचित न रह जाए। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा प्रदेश के हर जिले में पांच-पांच परीक्षा केंद्रों को विशेष मॉनिटरिंग के लिए चुना है। इन केंद्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी सीधे भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से की जाएगी।

भोपाल में नया अजूबा...हाईटेंशन पोल के नीचे निकली सड़क

भारतमत रिपोर्टर

भोपाल। भोपाल में 90 डिग्री एंगल वाले ऐशबाग ब्रिज और ठिगने मेट्रो स्टेशन के बाद एक और नया अजूबा सामने आया है। राजधानी के करोंद इलाके में हाईटेंशन लाइन के टावर (पोल) के नीचे से सड़क निकाल दी गई, जो किसी एफिल टॉवर सड़क की तरह है। मामला सामने आने के बाद अब यह पोल सुर्खियां बंटोर रहा है। करोंद की विनायक कॉलोनी में कई साल से हाईटेंशन का पोल एफिल टॉवर जैसा खड़ा है, लेकिन आश्चर्य की बात ये है कि इसके नीचे से ही सड़क भी निकाल दी गई। लोग पैदल चलने के साथ अपनी कार और मोटरसाइकिलों से आना-जाना भी करते हैं। ऐसे में हाईटेंशन लाइन के चपेट में आने का डर बना रहता है। करोंद के महेंद्र सिंह राजपूत ने बताया कि यह पोल उन्हीं के वार्ड में हैं, जिसे वे कई साल से देखते आ रहे हैं। पहले आसपास रहवासी इलाका नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे आबादी बसने लगी। वर्तमान में अच्छी आबादी यहां रहती हैं। इस तरह खतरा बढ़ गया है। रहवासियों ने बताया कि टावर के नीचे से बड़ी गाड़ियां नहीं निकल पाती। दूसरी ओर, बारिश के दिनों में करंट फैलने का डर रहता है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने शिक्षा नगर स्कूल में परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर । माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा हायर सेकेण्ड्री व हाईस्कूल परीक्षा दिनांक 10 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक 91 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही हैं। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधन किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण भी किया गया। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने शिक्षा नगर स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया और वहां पर सभी व्यवस्थाओं को देखा। मध्यप्रदेश बोर्ड परीक्षा मंगलवार से

प्रारंभ हो गई हैं। प्रथम दिन कक्षा 12 वीं के अंग्रेजी विषय की परीक्षा हुई। परीक्षा के लिए शिक्षानगर में बनाए गए परीक्षा केंद्र का कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान ने निरीक्षण कर परीक्षा केंद्र में सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने परीक्षा केन्द्रों पर कानून व्यवस्था की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत समस्त परीक्षा केन्द्रों के 100 मीटर के दायरे में 4 या 4 से अधिक व्यक्तियों के समूह के रूप में या अन्य किसी प्रकार से एकत्रित होने पर प्रतिबंध लगाया है।

श्री राम के आदर्शो पर चलने को बैठक में पंजाबी समाज (झंग बिरादरी) भारी संख्या में हुआ एकत्रित

ग्वालियर प्राचीन काल से चली आ रही श्री आदर्श रामलीला समिति हनुमान नगर आदर्श कॉलोनी (झंग बिरादरी) द्वारा होली के पावन पर्व पर होने वाले रामलीला मंचन का समय नजदीक आते ही पंजाबी समाज में हर्ष की लहर दौड़ पड़ती है जिसमें अन्य प्रान्तो से भी भारी संख्या में समाज के लोग परिवार सहित हर वर्ष आते हैं रामलीला मंचन 26 फरवरी से 5 मार्च तक रहेगा इसके लिए आज समिति के अध्यक्ष हरिओम नागपाल पंजाबी सेवा समिति के अध्यक्ष मोहनलाल अरोड़ा की अध्यक्षता में एहम बैठक रखी गई जिसमें मंचन की तैयारी को लेकर समितियां का गठन किया गया जिसमें आए हुए राम भक्तों ने स्वयं रामलीला की सेवा के लिए अपना नाम लिखवाया? बैठक में भरत कथुरिया, आदर्श कॉलोनी पंचायत के अध्यक्ष बलवंत जी मदान, हनुमान नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रमोद पाहवा,सोमनाथ जी अनेजा, किशन लाल नागपाल, रवि बत्रा, कश्मीरी लाल बत्रा, प्रवीण नागपाल, मिरजोश गुलाटी,कश्मीरी लाल खुराना, जगन्नाथ पाहवा,विजय चचडा, ओमप्रकाश कथूरिया,सुभाष अरोड़ा,अशोक सुनेजा,दीपक कुरडा, सुमितबत्रा, कमल मिगलानी, रवि अनेजा,श्याम सचदेवा, प्रवीण घई, सुरेंद्र जुनेजा,प्रमोद चचडा, सतीश पाहवा, अशोक अरोड़ा, राजू कवातडा, राजू बढ़जात्या, दिलीप गूगनानी, नरेश अरोड़ा,राम अरोड़ा, रिंकू कथूरिया, अशोक गुगनानी, विश्वास अरोड़ा, बलदेव खुराना, राजू भुटियाणी,रोहित सचदेवा, रिंकू बेरी,हार्दिक खुराना, मीडिया प्रभारी राजू पंडित सहित सैकड़ो राम भक्त बेठक मैं पहुंचे ।

निःशुल्क प्रसादी वितरण के लिए अचलेश्वर भक्तों को मिले अनुमति, आज देंगे धरना

महाशिवरात्रि पर उमड़ने वाली भीड़ के लिए सुगम, निर्विघ्न वैकल्पिक मार्ग निर्धारित करने की भी मांग

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर, महाशिवरात्रि पर्व पर ग्वालियर के सबसे बड़े शिव मंदिर ÷श्री अचलेश्वर महादेव÷ पर लगने वाले विशाल मेले में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की लाखों की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन एवं जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुखूता इंतजाम किए जाएं। भीड़ की आवाजाही को सुगम एवं निर्विघ्न बनाने के लिए वैकल्पिक मार्ग तय किए जाएं। पूर्व के आदेश में संशोधन कर श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को देखते हुए अचलेश्वर बाबा के भक्तों को निःशुल्क प्रसादी वितरण के लिए अचलेश्वर परिसर स्थित राम मंदिर के सामने त्रिशूल स्थली अथवा किसी अन्य जगह काउंटर लगाने की अनुमति दी जाए ताकि सुरक्षा

के साथ परंपराओं का निर्वाहन भी हो सके। श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास के पूर्व सूचना सचिव, ग्वालियर व्यापार मेला व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र भदकारिया एवं बाबा अचलेश्वर के सैकड़ों भक्तों ने आज मंदिर परिसर में बृहद बैठक करने के उपरांत न्यास प्रमुख जस्टिस एनके मोदी एवं जिला प्रशासन से उक्त विनम्र अनुरोध करते हुए सुझाव दिए हैं। अचलनाथ के भक्तों ने मंदिर रिसीवर जस्टिस मोदी को इस बाबत अनुरोध पत्र सौंपा है। अचलभक्तों ने कहा कि महाशिवरात्रि पर अचलेश्वर मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देना अनिवार्य है लेकिन विगत कई दशकों से यहां पर निःशुल्क प्रसादी वितरण का स्टॉल लगाने की अनुमति नहीं दिया जाना अनुचित एवं धार्मिक भावनाओं के विरूद्ध है। बाबा के भक्तों ने अचलेश्वर परिसर में स्थित राममंदिर के बाहर त्रिशूलस्थली को निःशुल्क प्रसादी वितरण के काउंटर के लिए चयनित किया है। मंदिर प्रबंधन अपनी सुविधा अनुसार कोई अन्य स्थल भी स्वीकृत कर सकता है ।

नगर की सभी धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं को भी दिया आमंत्रण

श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर न्यास के पूर्व सूचना सचिव, ग्वालियर व्यापार मेला व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र भदकारिया एवं अन्य भक्तों ने मंदिर रिसीवर एवं जिला प्रशासन को अल्टीमेटम दिया है कि यदि निःशुल्क प्रसादी वितरण के काउंटर के लिए उपयुक्त स्थल स्वीकृत नहीं किया गया तो कल बुधवार, 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे से अचलेश्वर मंदिर परिसर में अचल बाबा के भक्तों द्वारा शांतिपूर्ण धरना देकर अपना विरोध ज्ञापित किया जाएगा। उन्होंने बाबा अचलेश्वर में आस्था रखने वाली नगर की अन्य सभी धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधिओ से भी इस धरना आंदोलन में सम्मिलित होने का आमंत्रण दिया है।

रामकृष्ण आश्रम ने जमा कराया 12 लाख सम्पत्तिकर

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 10 फरवरी 2026- रामकृष्ण आश्रम ग्वालियर के सचिव स्वामी कृष्णमृतानंद महाराज जी द्वारा आज आयुक्त नगर निगम श्री संघ प्रिय को 12 लाख रूपये का संपत्ति कर का चेक भेंट कर जमा करवाए।

उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार एवं अपर आयुक्त श्री मुनीश सिंह सिकरवार के निर्देशन में वित्तीय वर्ष 2025-26 का सम्पत्तिकर वसूली अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत रामकृष्ण आश्रम के प्रमुख स्वामी ने खुद पहल कर नगर निगम कार्यालय में पहुंचकर निगमायुक्त को आश्रम पर बकाया 12 लाख रूपये सम्पत्तिकर का चेक दिया तथा निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने स्वामी जी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर स्वामी जी द्वारा कहा गया कि शहर के नागरिकों सामाजिक धार्मिक संस्थाओं का नगर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है सभी नागरिकों को तथा सामाजिक धार्मिक संस्थाओं को नगर निगम के सेवा कर संपत्ति कर इत्यादि का समय पर भुगतान कर नगर विकास में सहयोग प्रदान करना चाहिए। इस अवसर पर रामकृष्ण विद्या मिशन के उप प्राचार्य श्री अवधेश कुमार दीक्षित उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13,15 एवं 16 का किया निरीक्षण

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 10 फरवरी 2026- नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13,15 एवं 16 का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13,15 एवं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी की उपस्थिति देखी तथा कई कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके साथ ही समस्त कर्मचारियों के कार्य के संबंध में जानकारी ली तथा क्षेत्रीय कार्यालय के आसपास साफ सफाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नामांकन एवं सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा की तथा अधिक से अधिक सम्पत्तिकर वसूलने के निर्देश। सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सार्थक एप पर अपनी उपस्थिति अवश्य दर्ज करें।

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में आमजनों की समस्याओं की हुई सुनवाई

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर 10 फरवरी 2026/ कलेक्ट्रेट में हुई जन-सुनवाई में मंगलवार को आमजनों की समस्यायें सुनी गई। अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत सहित जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एक ङ्क एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली, पुलिस इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुई। जमीन संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश सभी एसडीएम व तहसीलदारों को दिए गए हैं। नगर निगम क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को तत्परता से निराकृत करने की हिदायत भी नगर निगम के अधिकारियों को दी। जनसुनवाई में मदद की आस में पहुँचे जरूरतमंदों के निःशुल्क इलाज का इंतजाम भी कराया गया।

अखिल भारतीय भवभूति समारोह

विद्वत्समाज के सम्मान के साथ सम्पन्न

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर -कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर और महाकवि भवभूति शोध एवं शिक्षा समिति, ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय अखिल भारतीय महाकवि भवभूति समारोह का समापन नगर निगम ग्वालियर द्वारा संस्कृत के विद्वानों का सम्मान शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती तथा महाकवि भवभूति के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर देश भर से पधारे संस्कृत विद्वानों डॉ. अशोक विश्नोई, डॉ. हरेन्द्र भार्गव, डॉ. किरण आर्या, श्री एक नारायण ने भवभूति के साहित्य पर केन्द्रित अपने शोधपरक आलेखों को वाचन किया। इस अवसर पर संस्कृत कविसम्वाय का भी आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से पधारे संस्कृत कवियों - डॉ. ऋषिराज पाठक, डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी, हिमाचल प्रदेश, डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, नई दिल्ली, श्री एकनारायण पौडेल, डॉ. शिवानी शर्मा, कुरुक्षेत्र, डॉ. विष्णु नारायण तिवारी, डॉ. विपिन द्विवेदी, डॉ. बालकृष्ण शर्मा, डॉ. वेदव्रत, हरिद्वार ने अपनी संस्कृत कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इसका संचालन डॉ. ऋषि कुमार तिवारी ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का वृत्त कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन के निदेशक डॉ. गोविन्द दत्तात्रेय गन्धे द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा आभार अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. जे.एन. गौतम द्वारा किया गया ।

अपर आयुक्त ने किया साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर । अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने वार्ड 1,2 एवं 3 में साफ सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को समय पर साफ सफाई करने के निर्देश दिए। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने वार्ड क्र. 1,2,3 का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान जगह-जगह कचरे के ठिये मुख्यमार्ग पर प्रातः 9 बजे के बाद पाये गये उक्त ठियो को तत्काल साफ कराया गया एवं चेतावनी देते हुये निर्देश दिये गये की प्रातः 9 बजे से पूर्व मुख्यमार्ग पर ठियो को उठाने की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित् करें एवं वार्ड क्र .01 के विभिन्न गलियों में भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान कर्मचारियों की बीट चेक की गयी। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों, अधिकारियों को शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी अजय ठाकुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट में जनसंपर्क विभाग को प्रथम मैच में विजय

स्वच्छता प्रीमियर लीग के तहत नगर निगम के खेल विभाग द्वारा आयोजित अंतर्विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 10 फरवरी 2026- नगर निगम द्वारा आयोजित विभागीय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत एमएलबी कॉलेज के ग्राउंड पर चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में जनसंपर्क विभाग की टीम को पहले ही मैच में विजय घोषित किया गया। टूर्नामेंट के प्रथम मुकाबले में जनसंपर्क विभाग की टीम का सामना लेखा विभाग की टीम से होना था, लेकिन निर्धारित समय पर लेखा विभाग की टीम मैदान पर उपस्थित नहीं हो सकी। मैदान पर प्रतिद्वंद्वी टीम के अनुपस्थित रहने के कारण नियमों के अनुसार जनसंपर्क विभाग की टीम को बिना खेले ही विजेता घोषित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि नगर निगम

आयुक्त श्री संघ प्रिया की पहल पर यह विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर निगम कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाना, टीम भावना को सशक्त करना तथा स्वास्थ्यपूर्ण वातावरण का निर्माण करना है। टूर्नामेंट में नगर निगम के सभी विभागों की टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता खेल भावना और उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें अधिकारी-कर्मचारी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। यह विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता आगामी 17 तारीख तक आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न विभागों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। विभागीय टीमों के बीच दूसरा मैच मदाखलत 1ह्य फायर के मध्य हुआ। फायर विभाग की टीम ने 10 ओवर में 108 रनों का लक्ष्य मदाखलत टीम को दिया,जिसे मदाखलत की टीम के खिलाड़ी मुकेश राजोरिया ने सर्वाधिक 55 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। मैच का सफल आयोजन नोडल अधिकारी श्री बी के त्यागी के निर्देशानुसार सहायक खेल अधिकारी श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशन में हुआ, मैच के दौरान सहायक खेल अधिकारी श्री अयोध्या शर्मा, श्री विजय चौहानऔर देवेश कटारे आदि उपस्थित रहे।

आज का विचार

श्रेष्ठ पुरुष वही है, जो हर परिस्थिति में सत्य को अपनाता है। जो लोग थोड़े से लाभ के लिए असत्य का सहारा लेते हैं, वे सम्मान खो देते हैं।

■ श्री राम

जब आप बहुत खुश हों, तो किसी से कोई वादा न करें, क्योंकि ऐसे वादे अक्सर आगे चलकर बोझ बन जाते हैं।

■ जया किशोरी

सम्पादकीय

दाल उत्पादन में हम आत्मनिर्भर!

हर साल 10 फरवरी को हम विश्व दलहन दिवस मनाते आ रहे है,इस वर्ष भी आज यानि मंगलवार को यह दिवस हम मना रहे है, जो हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं।दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं।पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है।

> “वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे है। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन है।दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है।”

आज का चिंतन

संकल्प जैसा,व्यक्तित्व भी वैसा

मनुष्य स्वतंत्र संकल्प का स्वामी होता है। उसका संकल्प जैसा होता है, व्यक्तित्व भी वैसा ही नाझमत हो जाता है। सृजन और ध्वंस के संस्कार मनुष्य के भीतर होते हैं। उन संस्कारों को वह संकल्पशक्ति के सहारे बदल सकता है। जिस व्यक्ति में विधायक भावों की प्रचुरता होता है वह ध्वंसात्मक संस्कारों को सृजनशीलता में बदल लेता है। निषेधात्मक भाव व्यक्ति को क्रूरता, हिंसा, अनुशासनहीनता, असदाचार की दिशा में प्रेरित करते हैं। जिस राष्ट्र और समाज में हिंसा का बोलबाला होता है, रास्ते चलते बेगुनाह लोगों को मौत के घाट उतार दिया जाता है, वह उस राष्ट्र और समाज का दुर्भाग्य होता है। उस दुर्भाग्य से बचने के लिए अहिंसक शक्तियों को जगाने और संगठित बनाने की जरूरत है। यह सच है कि हिंसक वारदातें आदमी के मन में दहशत पैदा कर देती हैं। दहशत की स्थिति में कोई भी व्यक्ति न तो सही ढंग से सोच सकता है और न ही अपनी क्षमताओं का उपयोग कर सकता है। भयोत्पादक परिस्थितियों का प्रभाव बच्चों और वृद्धों पर अधिक होता है। युवकों में भय की मात्रा कम होती है। वे जान-बूझकर खतरों को मोल लेते हैं।

पुण्यतिथि विशेष

■ -डॉ. मोहन यादव

पं. दीनदयाल उपाध्यायः एकात्म मानवदर्शन के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक

व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र निर्माण का मार्ग दिखाने वाले , विलक्षण व्यक्तित्व के धनी , एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के प्रणेता पं . दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन।पं . दीनदयाल जी का जीवन भारत राष्ट्र को दिशा देने वाला प्रकाश स्तंभ है। वे एक ऐसे ऋषि राजनेता थे जो समाज, संस्कृति और राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए समर्पित रहे। उन्होंने राजनीति को राष्ट्रधर्म की साधना का माध्यम माना। उनका स्पष्ट मत था कि स्वतंत्र भारत की यात्रा भारतीय दर्शन , संस्कृति और परंपरा के अनुरूप होनी चाहिए।

पं . दीनदयाल जी ने राजनीतिक चिंतन को भारतीय मूल्यों से जोड़ते हुए एकात्म मानव दर्शन का सूत्र दिया। इसमें व्यक्ति , समाज , राष्ट्र और सृष्टि के बीच समन्वय और संतुलन समाहित है। यह जीवन और संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता है। यही दर्शन व्यष्टि से समष्टि की रचना करता है। इसमें श्रीकृष्ण के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से लेकर आज के वैश्विक परिदृश्य का समावेश है।

पं . दीनदयाल जी भारत के भविष्य की कल्पना चतुर्पुरुषार्थ -धर्म , अर्थ , काम और मोक्ष के आधार पर की। उनका विश्वास था कि इन चारों का संतुलन ही व्यक्ति और समाज को पूर्णता की ओर ले जा सकता है। यदि व्यक्ति और समाज को विकास के समान अवसर दिए जाएँ , तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण संभव है। पं . दीनदयाल जी का मानना था कि राजनीति का अंतिम लक्ष्य सशक्त , समरस और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है। उनका विकास मॉडल केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं था , बल्कि उसमें सांस्कृतिक चेतना , सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक संतुलन का समावेश था। वे चाहते थे कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे , तभी वह सच्चा विकास कहलाएगा। यही अंत्योदय का भाव है।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत जिस विकास पथ पर अग्रसर है , उसके मूल में पं . दीनदयाल जी का चिंतन है। विरासत से विकास , आत्मनिर्भर भारत , वोकल फॉर लोकल और सबका साथ - सबका विकास , यह सभी एकात्म मानव दर्शन के आधुनिक रूप हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 , स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित किया जाए। यह संकल्प पं . दीनदयाल जी के स्वप्निल भारत की ही साकार अभिव्यक्ति है।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण की परिकल्पना को मूर्तरूप देने की दिशा में प्रदेश के प्रत्येक अंचल को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के हर क्षेत्र की क्षमता , मेधा और दक्षता को अवसर प्रदान करने के लिए जहां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का नवाचार किया गया, वहीं भोपाल में संपन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से स्थानीय उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। निवेश के लिये हमने यूके , जर्मनी , जापान और दावोस आदि यात्राएं कीं और हैदराबाद , कोयंबटूर सहित मुंबई में रोड-शो के माध्यम से उद्योगपतियों को आमंत्रित किया। यह क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर तक उद्योग को जोड़ने का पहला सशक्त प्रयास है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पं . दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन को व्यवहार में उतारने का प्रयत्न किया जा रहा है। समरस, संवेदनशील और उत्तरदायी शासन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं और विकास के लक्ष्य धरातल पर पहुंच रहे हैं। प्रदेश में गरीब कल्याण, किसान कल्याण, युवा शक्ति और नारी सशक्तिकरण को केन्द्र में रखकर 4 मिशन के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इससे समाज के सभी वर्गों के कल्याण का लक्ष्य पूर्ण होगा।

पं . दीनदयाल जी ने आर्थिक विकास के लिए कृषि , उद्योग , परिवहन , व्यापार समाज , सुरक्षा एवं सेवा का एक स्पष्ट और व्यावहारिक क्रम बताया। इस क्रम में कृषि प्रधान देश भारत में खेती को प्रथम स्थान देने की आवश्यकता व्यक्त की। उनका मानना था यदि देश में कृषि सुदृढ़ होगी , तो किसानों की आय बढ़ेगी , ग्रामीण जीवन में स्थिरता आएगी और उद्योगों को कच्चा माल एवं श्रम दोनों सहज रूप से उपलब्ध होगा। इससे किसान, उपभोक्ता और समाज तीनों का संतुलन बना रहेगा। पं . दीनदयाल जी खेती की मजबूती और किसानों की समृद्धि को समग्र विकास का आधार मानते थे। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में किसानों के स्वाभिमान, सुरक्षित जीवन और आत्मनिर्भरता को केन्द्र में रखकर वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें आधुनिक तकनीक , उन्नत बीज , सिंचाई , भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा। कृषि आजीविका के साधन के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने वर्ष 2025-26 किसानों के कल्याण के लिए समर्पित किया है। मध्यप्रदेश में पार्वती-कालीसिंध-चंबल तथा केन-बेतवा नदी लिंक राष्ट्रीय परियोजना सहित ताप्ती ग्राउंड वॉटर रिचार्ज मेगा परियोजना से प्रदेश के 25 जिलों में 16 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त कृषि रकबा सिंचित होगा। प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाया जायेगा।

प्रदेश में श्रीअन्न , सरसों और चना अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जा रही है। इससे श्रीअन्न का उत्पादन और पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाई मिलेगी। इन केंद्रों के जरिए फसलों की गुणवत्ता और पैदावार बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाएगा। प्रदेश के 30 लाख से अधिक किसानों को अगले तीन साल में सोलर पॉवर पम्प दिये जायेंगे। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 65 लाख हैक्टेयर से बढ़ाकर 1 00 लाख हैक्टेयर किये जाने का लक्ष्य है।

पं . दीनदयाल उपाध्याय जी ने स्वाभिमानी, स्वावलंबी और विश्व कल्याण में अग्रणी भारत की कल्पना की थी। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में देश इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनका जीवन और दर्शन हम सबको राष्ट्रधर्म के पथ पर निरंतर अग्रसर करता रहेगा।

राष्ट्र निर्माण के अमर साधक पं . दीनदयाल जी की पुण्यतिथि पर पुनः कोटिशः वंदन।

फोकस

■ - प्रो. मनोज कुमार

हमारा नया पता @MP

मध्यप्रदेश का नया पता है ईमध्यप्रदेश. आज से दो वर्ष पहले हरेक काम के लिए लाईन लगाना होता था. ऑफिसों के चक्कर लगाना पड़ते थे लेकिन दो सालों में आहिस्ता-आहिस्ता समूचा मध्यप्रदेश हथेलियों में सिमट गया है. जन्म प्रमाण पत्र से लेकर जमीन की रजिस्ट्री तक अब आपकी हथेलियों में रखा मोबाइल पूरा कर देता है. यह बड़ा बदलाव एकाएक नहीं आया. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नवाचार के हिमायती रहे हैं और उनकी सरकार की मंशा रही है कि मध्यप्रदेश के समस्त ऑफिस ई वर्किंग हो जाए और दो साल के अथक प्रयासों के उपरांत लगभग सभी कार्य अब मोबाइल के माध्यम से नागरिक कराने लगे हैं. संभवत- देश का पहला राज्य है जो पेपरलेस कल्चर की ओर लगभग सौफीसदी बढ़ चुका है. मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने पहले निर्देश दिए और भी सख्ती के साथ सभी कार्यालयों को पेपरलेस कल्चर के लिए प्रोत्साहित किया. शासन और प्रशासन के साझा प्रयासों से हमारा नया पता हो गया है. आम आदमी इस पते पर पलक झपकते ही पहुँच जाता है. आम आदमी के लिए भी यह पेपरलेस कल्चर सुविधाजनक हो गया है.

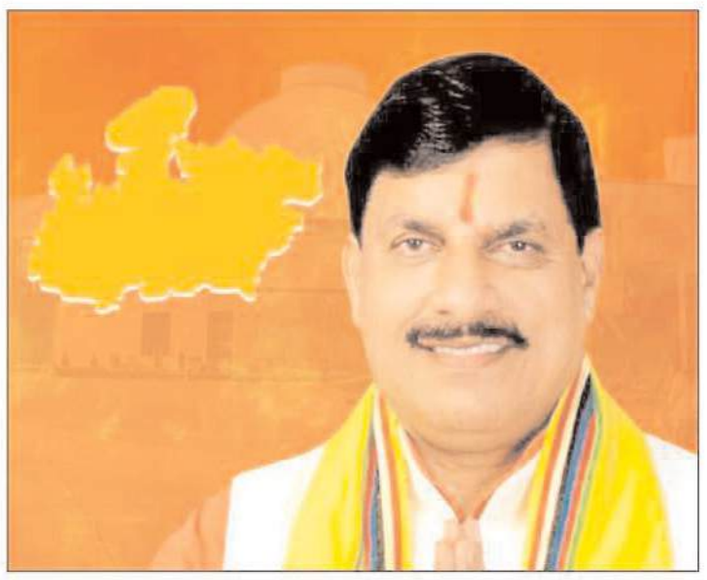

आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हुए मध्यप्रदेश ने शासकीय विभागों और नागरिकों के लिए तकनीकी प्रगति और डिजिटल सुविधाओं का ऐसा सिस्टम विकसित किया है, जो पूरे देश के लिए एक मिसाल बन गया है। संपदा 2.0 और साइबर तहसील जैसे प्लेटफॉर्म नागरिक सेवाओं को सरल बना रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की पहचान को भी मजबूत कर रहे हैं। संपदा 2.0 ने संपत्ति पंजीकरण की प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर ई-पंजीकरण, ई-स्टाम्प, स्टाम्प शुल्क की गणना और दस्तावेज़ खोज जैसे कार्यों को घर बैठे संभव बनाया गया है। साइबर तहसील ने राजस्व न्यायालयों की प्रक्रियाओं को पारदर्शी और सुव्यवस्थित करते हुए भ्रष्टाचार को कम करने और जनता को त्वरित सेवाएं प्रदान करने का सफल प्रयास किया गया है।

इसी तरह राज्य में जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) तकनीक का भी व्यापक उपयोग हो रहा है। 5 प्रतिशत के लिए योजना, अनुमोदन और जीआईएस आधारित सेवाएं प्रदान करने के लिए गति-शक्ति संचार पोर्टल विकसित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए सर्वेक्षण, निगरानी और कार्यान्वयन के लिए जल रेखा जैसे पोर्टल कार्य कर रहे है। जीआईएस द्वारा तैयार किये गये लोकपथ मोबाइल ऐप और वेब एप्लिकेशन से पूरे राज्य में सडक़ों से संबंधित शिकायतों को दर्ज करने एवं उनके निराकरण को मॉनिटर करने की सुविधा दी जा रही है।

आईटी क्षेत्र में विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियों ने डिजिटल प्रौद्योगिकी से प्रशासनिक दक्षता बढ़ाई है और नागरिकों के जीवन को भी सरल और सुविधाजनक बनाया है। इन नवाचारों ने राज्य को आईटी निवेशकों के लिए एक आदर्श स्थान बना दिया है। मध्यप्रदेश में 'आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश प्रोत्साहन नीति 2023' बनाई गई है। इसके तहत निवेशकों की सुविधाओं का ध्यान रखा गया है. इ्क्षसंगल विंडो का उद्देश्य नीति में निवेशकों को वित्तीय और गैरवित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रावधान किए गए है। सभी वित्तीय सहायता, आवश्यक अनुमतियाँ, अनुमोदनों, आवेदनों और किसी भी अन्य संबंधित प्रक्रियाओं के लिए पूर्ण रूप से डिजिटल सिंगल विंडो सिस्टम भी बनाया गया है। राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के लिये प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप नीति-2022 लागू है।

मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वप्र को साकार करते हुए राज्य सरकार सभी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एआई का उपयोग कर रही है। एआई वर्तमान समय में शासन, उद्योग और समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति है। शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार एवं रोबोटिक्स को बढ़ावा देने, जलवायु परिवर्तन व सतत विकास से जुड़े क्षेत्रों में एआई आधारित शोध एवं निर्णय सहयोग विकसित करने, शासकीय विभागों में एआई और क्लाउड तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित करने, राज्य में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना एवं कौशल विकास को गति देने, राष्ट्रीय एआई मिशन से जुडक़र कंप्यूटर एवं डेटा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता और एआई जागरूकता बढ़ाने और एआई आधारित शासन को सक्षम करने के उद्देश्य से किए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित सतत आर्थिक विकास लक्ष्य को प्राप्त करने में गवर्नेंस में एआई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने उद्योग और अकादमिक संस्थानों के सहयोग, स्किलिंग व री-स्किलिंग की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि भविष्य रिसर्च, इनोवेशन और नॉलेज आधारित होगा। मध्यप्रदेश में समग्र आईडी जैसी पहलों के माध्यम से डेटा-आधारित और परिवार-केंद्रित शासन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि ऐसे मंच नवाचार और सहयोग को नई दिशा देते हैं। मध्यप्रदेश इस राष्ट्रीय प्रयास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। मध्यप्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब प्रयोगात्मक तकनीक नहीं, बल्कि शासन की एक मुख्य क्षमता बन चुकी है। एआई के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य 4 प्रमुख सक्षम स्तंभों– अवसंरचना, डेटा, प्रतिभा और रणनीति को सुदृढ़ कर रहा है। अब हम गर्व से कह सकते हैं कि हमारा नया पता है @MP ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया शिक्षा से संबद्ध हैं)

विश्लेषण

■ - ऋतुपर्ण दवे

यूपी में बढ़ने लगी है चुनावी सरगर्मी !

यह सच है कि दिल्ली की सत्ता का रास्ता ज्यादातर उत्तरप्रदेश से ही होकर निकलता है। यह भी सच है कि भले ही देश में नरेन्द्र मोदी को लेकर कोई विकल्प न हो लेकिन उनके उत्तराधिकारी के रूप में अघोषित रूप से योगी आदित्यनाथ का नाम सबसे पहले आता है। वहीं अक्सर सियासत में कहे.अनकहे ऐसे दांव-पेंच चले जाते हैं या हो जाते हैं जिससे आसान राहें भी मुश्किलें बढ़ाती नजर आने लगती हैं। फिलाहाल उत्तरप्रदेश में चुनावी सरगर्मी तो नहीं है लेकिन राजनीतिक सरगर्मी ने पहले पौष की कड़कड़ती ठण्ड और अब माघ की जाती ठण्ड में भी जबरदस्त और इतनी कि लू सरीखे सियासी तपन का अहसास जरूर करा दिया।

दरअसलए उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के प्रमुख स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का 28 जनवरी को माघ मेला में स्नान किए बिना लौटना भले ही एक धार्मिक मामला हो। लेकिन वास्तव में सियासी ज्यादा रहा। नए वर्ष की शुरुआत में ही उत्तरप्रदेश में श्भगवा बनाम भगवाश् का मुद्दा जबरदस्त राजनीतिक और धार्मिक विमर्श का अहम मुद्दा रहा। लेकिन इसका यह आशय नहीं कि अब सब कुछ ठीक हो गया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के स्नान और पालकी सहित जाने की जिद और प्रशासन के नहीं जाने देने से उत्पन्न विवाद इतना बड़ा तूल पकड़ेगाए इसका जनमानस को जरूर अंदाजा नहीं रहा। हाँए सियासतदारों को जरूर बैठेए बिठाए बड़ा मौका मिल गया।

वास्तव में अविमुक्तेश्वरानंद अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। वो किसी को भी नहीं छोड़ते ऐसी स्थिति में उनसे इस टकराहट को असाधारण माना जा रहा है। यदि वास्तव में प्रयागराज मेला प्रशासन चाहता तो इसे टाल सकता था लेकिन कहते हैं न कि राजनीति में लिए गए छोटे से छोटे फैसलों के दूरगामी परिणाम मतलब भरे होते हैं। हुआ भी वही। अब लोग भले ही यह कहें कि सरकार ने गलत किया या स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने। लेकिन सच तो यह है कि इसे प्रशासन की चूक या भूल भी कहना बेमानी होगा।

एक ओर रूठे हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ गए तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी ने शंकराचार्य विवाद के दौरान ही सीधे नाम न लेकरए सनातन धर्म की आड़ में राष्ट्रविरोधी या सनातन विरोधी एजेंडा चलाने वालों को श्कालनेमिश् कह दिया। जाहिर है इशारा अविमुक्तेश्वरानंद पर था। बाद में प्रयागराज में जो घटाए उसे देश ने देखा। बात असली और नकली शंकराचार्य तक जा पहुंची तो भला अविमुक्तेश्वरानंद कैसे चुप रहतेघ् उन्होंने भी सीधे.सीधे आदित्यनाथ से टकराने की रणनीति अपना ली। इस बीच प्रशासन ने शंकराचार्य को नोटिस पकड़ा दिया कि 18 जनवरी को त्रिवेणी संगम में जबरदस्ती घुसने के प्रयास से भगदड़ मच सकती थी। इतना ही नहीं यह तक पूछ लिया कि क्यों न उन्हें भविष्य के मेलों में भाग लेने से रोक दिया जाएघ् तल्खी और तब बढ़ी जब अगले नोटिस में मेला अधिकारियों ने 2022 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए शंकराचार्य की उपाधि पर ही सवाल उठाए विवाद को गहरा दिया। ऐसा देश ने पहली बार देखा।

बात आपके काम की...

कद्दू के बीज विटामिन से भरपूर

डाइटिशियन के अनुसार, कद्दू के बीज इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में काफी असरदार हैं। खासतौर पर ये बीज विटामिन बी12 के प्राकृतिक स्रोत माने जाते हैं, जो आज के दौर में लोगों की डाइट से अक्सर गायब होता है। कद्दू के बीजों में जिंक, आयरन, प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ए और विटामिन बी12 पाया जाता है।विटामिन बी12 यानी कोबालामिन एक पानी में घुलनशील विटामिन है, जो शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, डीएनए संश्लेषण और तंत्रिका तंत्र के सही कार्य में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से एनीमिया, नजर का कमजोर होना, पाचन संबंधी गड़बड़ी, अंगों में झुनझुनी और बोलने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अगर आप सप्लीमेंट्स की जगह घरेलू और प्राकृतिक विकल्प की तलाश कर रहे हैं, तो कद्दू के बीज को अपनी डाइट में शामिल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

संछिप्त खबरें

आईसीसी के सामने घुटने टेके, पर मंच से गीदड़भभकी जारी!

लाहौर। भारत से मैच पर हफ्तों की तनातनी के बाद पाकिस्तान आखिर मैदान में उतरने को तैयार हुआ, लेकिन पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आसिम मुनीर का नाम लेकर ताकत दिखाने की कोशिश की। फैसलों में झुकने और बयानों में गरजने की इस दोहरी रणनीति ने पाकिस्तान की और किरकिरी करा दी। नकवी अपने ही देश को मजाक का विषय बनने से रोक नहीं पा रहे। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच पर लंबे ड्रामे के बाद जब अंततः खेलने की सहमति बन गई, उसी समय पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने ऐसा बयान दे दिया जिसने नई बहस छेड़ दी। समझौते के कुछ घंटों पहले उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान पर किसी का दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, न मैं भारत और आईसीसी की धमकियों से डरता हूं, न पाकिस्तान की सरकार डरती है, और जहां तक फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर का सवाल है, आप उन्हें जानते ही हैं, वह कभी नहीं डरते। नकवी का यह बयान अब मजाक का विषय बन गया है।

एपस्टीन फाइल्स में फ्रांस के इस दिग्गज फुटबॉलर का नाम

नई दिल्ली। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी एपस्टीन फाइल्स में फ्रांस और बायर्न म्यूनिख के पूर्व स्टार फ्रैंक रिबेरी का नाम सामने आया है। हालांकि यह सिर्फ गवाहों के आरोप हैं। न कोई केस दर्ज हुआ है, न जांच की घोषणा। कानूनी तौर पर रिबेरी की स्थिति फिलहाल जस की तस है। फ्रांस और बायर्न म्यूनिख के दिग्गज फुटबॉलर फ्रैंक रिबेरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह मैदान की उपलब्धियां नहीं, बल्कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक किए गए तथाकथित एपस्टीन फाइल्स हैं। रिबेरी 2006 में फीफा विश्वकप के फाइनल में पहुंचने वाली फ्रांस टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन इटली के खिलाफ उनकी टीम हार गई थी। वहीं, वह एक बार फीफा क्लब वर्ल्ड कप और एक बार बायर्न म्यूनिख के साथ चैंपियंस लीग का खिताब जीत चुके हैं। स्पेनिश अखबार मार्का की रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड स्टार का नाम उन दस्तावेजों में दिखाई देता है जो दिवंगत और दोषी करार दिए जा चुके कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच का हिस्सा थे।

निशानेबाज संभाजी पाटिल की कार दुर्घटना में मौत

मुंबई। भारत के अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज संभाजी पाटिल का कार दुर्घटना में निधन हो गया है। संभाजी ने 2016 जूनियर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। जूनियर विश्व कप 2016 के स्वर्ण पदक विजेता अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज संभाजी पाटिल की सोमवार को मुंबई अहमदाबाद हाइवे पर पालघर जिले में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई। वह 27 वर्ष के थे। अधिकारी ने बताया कि तेज रफ्तार से जा रही कार बाईं ओर से ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में उससे टकरा गई जिसमें पाटिल को गंभीर चोट आई। पाटिल को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पाटिल ने अजरबैजान में 2016 जूनियर विश्व कप में 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2017 में इसी वर्ग में विश्व चैंपियनशिप में 23वां स्थान हासिल किया था। आईएसएसएफ की वेबसाइट के अनुसार, संभाजी दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा ने प्रशिक्षित किया था, जो उनके राष्ट्रीय कोच भी थे। पाटिल ने पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्पोर्ट्स ऑफिसर के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं।

सचिन ने अंडर-19 कप्तान आयुष को अपनी टेस्ट जर्सी दी

नई दिल्ली। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे जिम्बाब्वे से भारत लौटने के बाद सोमवार को सचिन तेंदुलकर से मिले। इससे पहले, मुंबई एयरपोर्ट पर कप्तान आयुष म्हात्रे समेत सभी खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ। म्हात्रे का पूरा परिवार उनके माता-पिता उन्हें लेने एयरपोर्ट पहुंचे थे। म्हात्रे भारत वापस लौटने के बाद सोमवार को महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के घर पहुंचे। आयुष म्हात्रे को सचिन तेंदुलकर से एक खास तोहफा मिला। तोहफा में सचिन ने अपनी टेस्ट जर्सी भेंट की,साथ ही उन्होंने अपने हाथ से लिखा हुआ एक संदेश भी दिया। वीडियो में सचिन ने म्हात्रे से कहा, यह वही जर्सी थी जिसे उन्होंने अपनी अंतिम टेस्ट सीरीज में पहना था। वो आगे कहते है, लगातार मेहनत करते रहो। ध्यान केंद्रित रखो। लोगों के बहकावे में मत आओ। अभ्यास करते रहो। एकाग्रता बनाए रखना जरूरी है। चाहे जो भी हो, ध्यान भटकाने वाली चीजें बहुत होंगी। म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। लिखा, मैं आपको स्क्रीन पर देखते हुए बड़ा हुआ।

आईसीसी के चाबुक से पस्त पड़े नकवी के तेवर..

पुरानी ताकतों को हजम नहीं हो रहा, गावस्कर ने नासिर हुसैन को क्यों लताड़ा?

खेल एजेंसी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान मैच पर उठे विवाद के बीच पूर्व इंग्लैंड कप्तान नासिर हुसैन ने आईसीसी की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। इसके जवाब में सुनील गावस्कर ने तीखा पलटवार करते हुए कहा कि असली पाखंड कौन कर रहा है, यह दुनिया देख रही है। उन्होंने इतिहास के उदाहरण देते हुए बताया कि जब इंग्लैंड ने मना किया था तब भी आईसीसी चुप था। पहले की ताकतों को ये हजम नहीं हो रहा कि भारत अब ताकतवर है। टी20 विश्वकप से पहले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर शुरू हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा आखिरकार सोमवार को समाप्त हो गया। पाकिस्तानी सरकार ने पीसीबी और पाकिस्तान टीम से भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले एक फरवरी को पाकिस्तानी सरकार ने बांग्लादेश के समर्थन में ड्रामा करते हुए भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कारण करने का एलान किया था। नौ दिन के ड्रामे के बाद और आईसीसी के चाबुक के बाद पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े। जब पाकिस्तान का यह ड्रामा शुरू हुआ था, तो कुछ क्रिकेट पंडितों ने पाकिस्तान और बांग्लादेश को अपना समर्थन दिखाया था और भारत पर सवाल उठाए थे। इनमें इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी शामिल हैं। अब भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उन्हें करार जवाब देते हुए लताड़ा है। गावस्कर का कहना है कि पुरानी ताकतों को भारत का दम देखना पच नहीं रहा। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए नासिर हुसैन की जमकर खिंचाई की। दरअसल, भारत-पाकिस्तान मैच पर खड़े हुए बवाल के बीच नासिर हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स पॉडकास्ट में सवाल उठाया था कि क्या आईसीसी सभी टीमों के साथ एक जैसा व्यवहार करता है? उन्होंने कहा, अगर भारत किसी टूर्नामेंट से एक महीने पहले कह देता कि हमारी सरकार हमें किसी देश में खेलने नहीं देगी, तो क्या आईसीसी उतना ही सख्त रहता? हर कोई सिर्फ एक चीज चाहता है, समानता। नासिर ने यह भी जोड़ा कि भारत के पास पैसा है, ताकत है, लेकिन ताकत के साथ जिम्मेदारी भी आती है। सुनील गावस्कर ने इस टिप्पणी का सीधा नाम लिए बिना जवाब दिया। उन्होंने लिखा, कुछ लोग, खासकर पुरानी ताकतें, यह पचा नहीं पा रही हैं कि अब विश्व क्रिकेट का पावर सेंटर भारत है। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने वाले यह भूल जाते हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने पाकिस्तान जाने से काफी पहले ही मना कर दिया था। तब तक शेड्यूल भी जारी नहीं किया गया था और इसके बाद ही आईसीसी ने न्यूट्रल वेन्यू का इंतजाम किया था। गावस्कर ने स्पोर्टस्टार में अपने आर्टिकल में साफ लिखा, %दुनिया का हर समझदार व्यक्ति जानता है कि भारत की कोई भी सरकार अपने खिलाड़ियों को पाकिस्तान भेजने की अनुमति नहीं देगी। गावस्कर ने दोहरे मापदंड दिखाने के लिए 2003 विश्व कप की घटना याद दिलाई, जब इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे में खेलने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा, तब कोई सुरक्षा खतरा नहीं था, फिर भी इंग्लैंड ने खेलने से इनकार कर दिया और अंक छोड़ दिए। क्या आईसीसी ने कुछ किया? नहीं। क्योंकि तब इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया का दबदबा था और बाकी कोई उन्हें नाराज़ नहीं करना चाहता था। गावस्कर यहीं नहीं रुके। उन्होंने अंडर-19 विश्व कप फाइनल में वैभव सूर्यवंशी की 80 गेंदों पर 175 रन की विस्फोटक पारी का जिक्र करते हुए व्यंग्य किया।

पहले बॉयकॉट का बिगुल बजाते हैं, फिर यू-टर्न मारते हैं

पाकिस्तान की पुरानी कहानी; एशिया कप से चला आ रहा ड्रामा

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का एलान किया, लेकिन नौ दिन में ही उसे फैसला बदलना पड़ा। भारी-भरकम बयान, सियासी अंदाज और क्षेत्रीय एकजुटता की बात आखिर पैसों, शेड्यूल और हकीकत के आगे टिक नहीं सकी। टी20 विश्वकप 2026 का हाईवोल्टेज ड्रामा अब समाप्त हो चुका है। पाकिस्तान ने आखिरकार एलान किया कि वह भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में खेलने को तैयार है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष ने इतने दावों और गीदड़भभकियों के बाद ऐसा करके अपने देश का और खुद का फिर से मजाक बनवा लिया है। जब एक फरवरी को पाकिस्तान ने बड़े जोश के साथ भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने की धमकी दी थी, तभी ज्यादातर लोगों ने कह दिया था, इन्हें आखिर में खेलना ही पड़ेगा। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर उन पहले लोगों में थे जिन्होंने खुलकर कहा कि यह फैसला ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा था, इसमें नया क्या है? हम जानते हैं पाकिस्तान के खिलाड़ी रिटायर होते हैं और चार दिन बाद वापस आ जाते हैं। यहां भी ऐसा ही हो सकता है। एक हफ्ते बाद वही हुआ। आप खुद ही सोचिए, एक देश का प्रधानमंत्री संसद में खड़े होकर बहिष्कार का एलान करे और कुछ दिन बाद उसी फैसले से पीछे हटना पड़े। उस देश की कितनी किरकिरी होगी। पाकिस्तान के साथ यही हुआ।सोमवार को पाकिस्तानी सरकार का एक और बयान आया, जिसमें अपने ही फैसले को पलटते हुए कहा गया, यह फैसला क्रिकेट की भावना को बचाने के लिए लिया गया है। बात सुनने में बहुत अच्छी लगती है, बस दिक्कत यह है कि भावना तब याद आई जब विकल्प लगभग खत्म हो चुके थे। जब बांग्लादेश ने अपने मैचों को लेकर आपत्ति जताई, तब पाकिस्तान ने इसे सिद्धांत का मुद्दा बताया। कहा गया कि क्षेत्रीय एकजुटता दिखानी है। सुनने में अच्छा था, लेकिन टूर्नामेंट के पहिये भावनाओं से नहीं, लॉजिस्टिक्स और पैसों से चलते हैं।

कैमरे पर घिरे नकवी, अपने लिए कुछ नहीं किया

खेल एजेंसी

लाहौर। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार का रुख अपनाने के बाद पाकिस्तान को आखिरकार फैसला बदलना पड़ा। आधिकारिक घोषणा से ठीक पहले पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी से जब सवाल पूछे गए तो वह बचाव की मुद्रा में नजर आए। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने अपने लिए कुछ नहीं मांगा, बल्कि बांग्लादेश के लिए खड़ा हुआ था। कई दिनों की तनातनी और राजनीतिक बयानबाज़ी के बाद पाकिस्तान ने 15 फरवरी को भारत के खिलाफ खेलने का फैसला कर लिया, लेकिन इस फैसले से ठीक पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे, जहां उनसे बहिष्कार पर तीखे सवाल पूछे गए।

पाकिस्तान के यू-टर्न से आईसीसी को बड़ी राहत, 1,579 करोड़ रुपये का नुकसान टला

खेल एजेंसी

दुबई। भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार से पीछे हटने के पाकिस्तान के फैसले ने आईसीसी को भारी आर्थिक नुकसान से बचा लिया। सूत्रों के मुताबिक अगर मुकाबला नहीं होता तो प्रसारण, टिकट और स्पॉन्सरशिप मिलाकर करीब 174 मिलियन डॉलर का झटका लगता। कई दौर की बातचीत और बांग्लादेश की अपील के बाद पाकिस्तान ने टीम को मैदान पर उतरने की मंजूरी दी। भारत-पाकिस्तान मुकाबला सिर्फ क्रिकेट मैच नहीं, बल्कि टूर्नामेंट की सबसे बड़ी कमाई का जरिया माना जाता है। सूत्रों के मुताबिक, अगर पाकिस्तान अपने रुख पर अड़ा रहता और मैच नहीं खेलता, तो आईसीसी को लगभग 174 मिलियन डॉलर यानी 1,579 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता था। एक सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस से बताया, कुल मिलाकर ब्रॉडकास्ट, टिकट बिक्री और स्पॉन्सरशिप से जुड़ा नुकसान करीब 174 मिलियन डॉलर यानी 1,579 करोड़ रुपये तक पहुंच जाता। यानी मामला भावनाओं से ज्यादा आर्थिक हकीकत का था। जैसे ही यह तय हुआ कि मुकाबला होगा, बाजार ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। मुंबई-कोलंबो-मुंबई राउंड ट्रिप हवाई टिकटों की कीमतों में 10 हजार रुपये से लेकर 60 हजार रुपये तक का उछाल देखने को मिला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस मैच को लेकर दर्शकों में कितनी दिलचस्पी है। मामला सुलझाने के लिए कई स्तर पर बातचीत हुई।

टी20 विश्वकप 2026

नामीबिया को हराकर अंक तालिका में पाकिस्तान से ऊपर पहुंचा नीदरलैंड्स

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 156 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में लक्ष्य हासिल किया और सात विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ नीदरलैंड्स की टीम ग्रुप-ए में पाकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

टी20 विश्वकप 2026 का 10वां मैच नीदरलैंड्स और नामीबिया के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 156 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बास डी लीडे ने 48 गेंद में नाबाद 72 रन की तूफानी पारी खेली और अपनी टीम को सात विकेट से जीत दर्ज करने में अहम भूमिका निभाई।

इस जीत के साथ नीदरलैंड्स की टीम ग्रुप-ए में पाकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। ग्रुप-ए में भारत एक मैच में जीत और दो अंक लेकर शीर्ष पर है। उसका नेट रन रेट +1.450 है। वहीं, नामीबिया पर जीत के बाद नीदरलैंड्स के दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दो अंक हैं। उसका नेट रन रेट +0.356 है। वहीं, पाकिस्तान की टीम एक मैच में एक जीत और दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। उसका नेट रन रेट +0.240 है। नामीबिया -1.033 नेट रन रेट के साथ चौथे और अमेरिका -1.450 नेट रन रेट के साथ पांचवें स्थान पर है। अगर नीदरलैंड्स ने पाकिस्तान को पहले मैच में हरा दिया होता तो ग्रुप का समीकरण दिलचस्प हो सकता था और नीदरलैंड्स की टीम सुपर-8 में जाने की मजबूत दावेदार होती। नीदरलैंड्स ने पाकिस्तान के खिलाफ लगभग जीता हुआ मैच गंवा दिया था। पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 19.3 ओवर में जाकर लक्ष्य हासिल किया था।

नीदरलैंड्स की पारी :-

- 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसे 16 के स्कोर पर पहला झटका लगा। मैक्स ओडॉड सात रन बनाकर बर्नार्ड स्कोल्ज का शिकार बने।
- इसके बाद माइकल लेविट और बास डी लीडे के बीच दूसरे विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी हुई।
- लेविट 15 गेंद पर एक चौके और तीन छक्के की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें रुबेन ट्रंपलमैन ने पवेलियन भेजा।
- नीदरलैंड्स को तीसरा झटका कॉलिन एकरमैन के रूप में लगा। वह 28 गेंद में 32 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें निकोल लॉफ्टी ने आउट किया। एकरमैन और डी लीडे के बीच 70 रन की साझेदारी हुई।
- फिर स्कॉट एडवर्ड्स और डी लीडे ने 43 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। एडवर्ड्स नौ गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 18 रन और डी लीडे 48 गेंद में पांच चौका और चार छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे।

नामीबिया की पारी :-

- नामीबिया की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। 10 के स्कोर पर लॉरिन स्टीनकैंप के रूप में पहला झटका लगा। वह छह रन बनाकर आर्यन दत्त का शिकार बने।
- इसके बाद जैन फ्रीलिंक और जेन निकोल ने दूसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को लोगन वान बीक ने तोड़ा।

उन्होंने फ्रीलिंक को कैच आउट कराया। फ्रीलिंक 26 गेंद पर तीन चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए।

- इसके बाद कप्तान गेरार्ड इरैसमस नौ गेंद पर 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें बास डी लीडे ने आउट किया।
- जेन निकोल अर्धशतक से चूक गए और 38 गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाकर वान बीक की गेंद पर आउट हुए।
- इसके बाद नामीबिया की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही। जेन ग्रीन नौ रन और रुबेन ट्रंपलमैन भी नौ रन बनाकर आउट हुए।
- जेजे स्मिट ने 15 गेंद पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 22 रन की पारी खेली।
- विलेम मायबर्ग चार रन बनाकर रन आउट हुए। डिलन लीचर छह रन बनाकर नाबाद रहे।
- नीदरलैंड्स की ओर से बास डी लीडे और लोगन वान बीक को दो-दो विकेट मिले।

फुटबॉल के देश में बैट-बॉल की वापसी : कैसे इटली में जन्मा दबा और फिर जिंदा हुआ क्रिकेट?

खेल एजेंसी

नई दिल्ली। इटली पहली बार पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप में पहुंचा है। फुटबॉल के लिए मशहूर देश में क्रिकेट का इतिहास 18वीं सदी तक जाता है, लेकिन मुसोलिनी शासन के दौरान खेल लगभग खत्म हो गया। 1980 के बाद शुरू हुई पुनर्बहाली, दुष्टष्ट मान्यता और प्रवासी खिलाड़ियों की बदौलत आज इटली वैश्विक मंच पर है। यह उपलब्धि अचानक नहीं, दशकों की मेहनत का परिणाम है। इटली आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में भले ही पहली बार नजर आ रहा हो, लेकिन इस देश में क्रिकेट कोई नया खेल नहीं है। फुटबॉल भले ही आज इटली का जुनून हो, पर क्रिकेट की जड़ें यहां दो सौ साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। इटली में क्रिकेट नया नहीं है। आईसीसी के मुताबिक, इटली में क्रिकेट का पहला दर्ज मुकाबला 1793 में खेला गया था। उस समय ब्रिटिश नौसेना के नायक होराशियो नेल्सन ने नेपल्स के बंदरगाह पर अपने नाविकों के लिए मैच आयोजित कराया था।

टी20 विश्वकप में परिवार साथ नहीं ले जा सकेंगे भारतीय खिलाड़ी, बीसीसीआई ने नहीं मानी क्रिकेटरों की मांग

खेल एजेंसी

मुंबई। टी20 विश्वकप 2026 में बेहतर फोकस और प्रदर्शन के लिए बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के परिवारों को साथ रहने की अनुमति नहीं दी है। टीम मैनेजमेंट की मांग के बावजूद बोर्ड सख्त रहा। नियम के तहत खिलाड़ी टीम के साथ ही यात्रा करेंगे, जबकि परिवार अलग से इंतजाम कर सकते हैं। टी20 विश्वकप 2026 में भारतीय टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए बीसीसीआई ने सख्त कदम उठाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई ने अपनी सख्त नीतियों पर कायम रहते हुए टी20 वर्ल्ड कप अभियान के दौरान खिलाड़ियों के परिवारों और पार्टनर्स को उनके साथ रहने से रोक दिया है।सूत्रों के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने मांग की थी कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनके परिवारों को भी साथ रहने की अनुमति दी जाए। हालांकि, खबर है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस मांग को फिलहाल ठुकरा दिया है। बोर्ड की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी आना बाकी है। बता दें, टी20 वर्ल्ड कप में इंडियन टीम ग्रुप स्टेज के तीन मुकाबले भारत में ही खेलने वाली है। बीसीसीआई के नियम के मुताबिक 45 दिनों से ज्यादा चलने वाली सीरीज या टूर्नामेंट के लिए परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ 14 दिनों तक रह सकते हैं, जबकि छोटे टूर के लिए यह लिमिट घटाकर सिर्फ सात दिन कर दी गई है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम मैनेजमेंट ने क्रिकेटरों के परिवारों को उनके साथ रहने की इजाजत देने के बारे में सफाई मांगी थी, लेकिन बोर्ड ने साफ कहा कि परिवार खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगे। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया है, बोर्ड ने साफ कर दिया है कि परिवार खिलाड़ियों के साथ नहीं रहेंगे। हालांकि, अगर वे चाहें तो अलग से इंतजाम कर सकते हैं। भारत टी20 वर्ल्ड कप के दौरान लीग फेज के तीन मैच घर पर और एक गेम कोलंबो में खेलेगा। यह मैच भारत पाकिस्तान के खिलाफ होगा। खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवारों को खिलाड़ियों के साथ टूर पर जाने से रोकने का फैसला पिछले जनवरी में फिर से लागू किया गया था। इसे कोविड-19 महामारी के दौरान रद्द कर दिया गया था। भारतीय टीम 2024 में न्यूजीलैंड से भारत में ही 0-3 से हारी थी और फिर ऑस्ट्रेलिया में 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 1-3 से हार हुई थी। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के खराब प्रदर्शन की स्थिति को देखते हुए ऐसा किया गया था।

एक नजर

रामार्चा यज्ञ में शामिल होंगे मुख्यमंत्री योगी प्रशासन ने कसी कमर

सिरौलीगौसपुर-बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी 10 फरवरी को जनपद बाराबंकी के दरियाबाद क्षेत्र स्थित दुल्हदेपुर कुटी (बजरंग व्यायाम शाला) में आयोजित रामार्चा यज्ञ में प्रतिभाग करेंगे। मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुति अर्पित करेंगे। उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। गुरुवार सुबह अयोध्या मंडल के आयुक्त राजेश कुमार और आईजी सोमेन बर्मा ने कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन तथा पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंच, पंडाल, विद्युत व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, पार्किंग और यातायात प्रबंधन को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यज्ञ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश के कई संत-महंत और धर्माचार्य मंच साझा करेंगे। आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन भी प्रस्तावित है। तैयारियों का जायजा लेने खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, भाजपा के पूर्व विधायक शरद कुमार अवस्थी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी भी कार्यक्रम स्थल पहुंचे।

आवास विकास रिकवरी कांड में नया मोड़

बाराबंकी। आवास विकास कॉलोनी में सामने आए फर्जी रिकवरी कांड ने अब नया और गंभीर मोड़ ले लिया है। मामले में किसान संगठन के नाम का दुरुपयोग कर धमकी देने और वसूली करने का आरोप सामने आने के बाद भारतीय किसान मजदूर यूनियन दशहरी संगठन ने नगर कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। संगठन का कहना है कि कुछ लोग फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल और झूठी पहचान के सहारे खुद को संगठन का पदाधिकारी बताकर आम नागरिकों को डराने-धमकाने के साथ-साथ पत्रकारों पर खबर दबाने का दबाव बना रहे हैं, जिससे संगठन की छवि को नुकसान पहुंचाने की साजिश रची जा रही है। जिला विधिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष एडवोकेट निधीश प्रताप सिंह ने बताया कि संगठन के नाम का दुरुपयोग कर धमकी देना गंभीर अपराध है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश चंद्र वर्मा ने कहा कि संगठन की बढ़ती सक्रियता से घबराकर कुछ संगठित गिरोह उसे बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं प्रदेश सचिव व जिलाध्यक्ष निहाल अहमद सिद्दीकी ने कहा कि फर्जी पहचान बनाकर रिकवरी या धमकी देने वाले समाज और संगठनदोनों के लिए खतरा हैं।

धान मशीन से भिड़ा मैजिक डाला, चालक केबिन में फंसा, गंभीर हालत में अस्पताल भेजा

रामसनेहीघाट-बाराबंकी)। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह करीब 11 बजे भिटरिया-हैदरगढ़ मार्ग पर दयारामपुरवा गांव के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। आगे चल रहे ट्रैक्टर में बंधी धान की मशीन में पीछे से एक मैजिक डाला जा घुसा, जिससे डाला चालक वाहन के अंदर फंस गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में घायल डाला चालक की पहचान अहिरनपुरवा निवासी उमेश उर्फ गोली पुत्र विश्राम के रूप में हुई है। टक्कर इतनी तेज थी कि डाला का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में बुरी तरह दब गया। आसपास के लोगों ने कड़ी मशक्कत कर डाला में फंसे चालक को बाहर निकाला। इसके बाद उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। घायल चालक उमेश ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब आगे चल रहे ट्रैक्टर चालक ने अचानक बिना किसी संकेत के वाहन मोड़ दिया। अचानक मोड़ लिए जाने से उसे संभलने का मौका नहीं मिला और डाला सीधे धान मशीन से टकरा गया।

पंडित हरद्वारी लाल स्मृति महाविद्यालय में ज्ञान खोज प्रतियोगिता

लखीमपुर खीरी। सामान्य ज्ञान आधारित ज्ञान खोज परीक्षा 2026 का आयोजन पंण हरद्वारी लाल स्मृति महाविद्यालय के तत्वाधान में किया गया। यह परीक्षा प्राइमरीए जूनियर एवं सीनियर तीन स्तरों में सम्पन्न कराई गईए जिसमें लगभग 1500 छात्रों ने सहभागिता की। परीक्षा महाविद्यालय के प्रबंधक अजय पाण्डेय एवं प्रबंध निदेशक राहुल गुप्ता के निर्देशन में सम्पन्न हुई। इस परीक्षा के परिणाम की घोषणा 15 मार्च को की जायेगी। परीक्षा की सुचिता एवं पारदर्शिता बनाये रखने हेतु एके पाण्डेय केके पाण्डेय, पंकज श्रीवास्तव, मनोज, रमेश, अनुज, रीतु, कामिनी, काजलए सौरभ ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंजे शिवालय

फाल्गुन के प्रथम सोमवार पर लोधेश्वर धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

» एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

भारतमत रिपोर्टर

रामनगर-बाराबंकी। फाल्गुन माह के प्रथम सोमवार को तहसील रामनगर स्थित लोधेश्वर महादेव धाम में आस्था, श्रद्धा व उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रदेश के विभिन्न जिलों और दूर-दराज क्षेत्रों से लाखों की संख्या में शिवभक्त कांवर लेकर धाम पहुंचे और 'हर-हर महादेव' व 'बम-बम भोले' के जयघोष के बीच स्वयंभू शिवलिंग पर गंगाजल से जलाभिषेक किया।

लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, बिठूर, जालौन, रायबरेली, शाहजहांपुर, झांसी, उरई, इटावा, महोबा, फतेहपुर, गोंडा, बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर समेत कई जनपदों से आए श्रद्धालुओं ने बिठूर से गंगाजल भरकर लगभग तीन दिनों की नंगे पांव पदयात्रा पूरी की। सोमवार भोर से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं और अनुशासन के साथ जलाभिषेक किया गया। प्रशासन के अनुसार अकेले सोमवार को करीब एक लाख श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

मान्यता है कि लोधेश्वर महादेव का शिवलिंग स्वयं धरती से प्रकट हुआ है और इसे 51 ज्योतिर्लिंगों में स्थान प्राप्त है। फाल्गुनी मेले के चलते पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। आस्था के इस सैलाब के साथ-साथ फाल्गुनी मेले की रौनक भी चरम पर रही।

मंदिर परिसर से लेकर महादेवा ऑडिटोरियम और आसपास के क्षेत्रों तक हजारों दुकानें सजी रहीं। फूल-माला, बेलपत्र, प्रसाद, अगरबत्ती और पूजन सामग्री की दुकानों पर भारी भीड़ देखी गई। श्रृंगार सामग्री, चूड़ी-बिंदी, कॉस्मेटिक, लाई-दाना, मिष्ठान, खिलौने और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की दुकानों पर भी खूब खरीदारी हुई। ढोलक, डमरू और हारमोनियम जैसे वाद्ययंत्र श्रद्धालु स्मृति-चिह्न के रूप में खरीदते नजर आए। जूस, चाय, पकौड़ी, पूड़ी-सब्जी और अन्य व्यंजनों की खुशबू से मेला क्षेत्र गुलजार रहा। अस्थायी होटल और ढाबों में दिनभर चहल-पहल बनी रही।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में कोतवाल अनिल कुमार पांडे, क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजिता अग्रवाल, तहसीलदार विपुल सिंह, चौकी प्रभारी अभिनंदन पांडे सहित पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहे। बैरीकेडिंग क्षेत्र में स्वयं कोतवाल अनिल कुमार पांडे व्यवस्थाओं की निगरानी करते दिखाई दिए। सुव्यवस्थित इंतजामों के चलते श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्वक दर्शन-पूजन किया।

फाल्गुनी मेला न केवल आस्था का केंद्र बना, बल्कि स्थानीय व्यापार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिली। आस्था और बाजार की इस जुगलबंदी ने लोधेश्वर धाम को पूरे दिन महोत्सव में बदल दिया।

न्यायालय के आदेश पर बैंक अधिकारियों पर एफआईआर

» किसान के खाते से फर्जी हस्ताक्षर कर निकाले लाखों

भारतमत रिपोर्टर

बाराबंकी। न्यायालय के आदेश पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की फतेहपुर शाखा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक, कैशियर समेत तीन लोगों के खिलाफ कोतवाली फतेहपुर में धोखाधड़ी व जालसाजी का मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई एक किसान द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के आधार पर की गई है। न्यायालय ने पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने के निर्देश दिए थे।

मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के पंडित पुरवा हरक्का निवासी किसानविश्वनाथ (60) का यूनियन बैंक फतेहपुर शाखा में बचत खाता एवं किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खाता संचालित है। किसान का आरोप है कि बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से उसके खाते से लूज लीफ चेक के जरिए फर्जी हस्ताक्षर कर नकद भुगतान कर लिया गया, जबकि उसने न तो कोई चेक जारी किया और न ही स्वयं बैंक से रुपये निकाले।

पीड़ित के अनुसार 29 मई 2021 को उसके केसीसी खाते में 2.59 लाख रुपये जमा हुए थे। इसके बाद 23 जुलाई 2024 और 9 सितंबर 2024 को बैंक से नोटिस मिलने पर वह शाखा पहुंचा, जहां प्रारंभ में खाते को सही बताया गया। बाद में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगे जाने पर फर्जी हस्ताक्षरों के माध्यम से रकम निकाले जाने का खुलासा हुआ।

किसान ने इस मामले की शिकायत बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या सहित उच्चाधिकारियों से भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उल्टे बैंक अधिकारियों ने धमकी व अपशब्द कहे। न्याय न मिलने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक और मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई।

अंततः सक्षम न्यायालय की सलाह पर किसान ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर शाखा प्रबंधक, कैशियर और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच के दौरान दरोगा पर अनुचित आचरण का आरोप

» पीड़ित ने एसपी से की शिकायत, जांच के संकेत

भारतमत रिपोर्टर

फतेहपुर-बाराबंकी। थाना रामनगर में तैनात एक उपनिरीक्षक पर पारिवारिक विवाद की जांच के दौरान कथित तौर पर अनुचित आचरण और धमकी देने के गंभीर आरोप लगे हैं। क्षेत्र के कुम्हरावा गांव निवासी अरुण कुमार ने एसपी अर्पित विजयवर्गीय को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि जांच के बहाने आए दरोगा ने विवाद सुलझाने के बजाय उनकी पत्नी से निजी बातचीत शुरू की और विरोध करने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, करीब एक वर्ष पूर्व पारिवारिक विवाद की शिकायत पर जांच के लिए उपनिरीक्षक अखिलेश यादव उनके घर पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने पहले संपर्क बढ़ाया और बाद में नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर पत्नी से फोन पर बातचीत शुरू की, जो समय के अनुचित संबंधों में बदल गई।

आरोप पत्र में यह भी कहा गया है कि बीते महीनों में अलग-अलग मौकों पर उपनिरीक्षक ने कथित दबाव बनाया। एक घटना में पत्नी को कस्बा रामनगर से जबरन वाहन में बैठाकर अज्ञात स्थान ले जाने और कुछ समय बाद तहसील गेट के पास छोड़ गये। आगे आरोप है कि एक अन्य दिन घर में पहुंचकर कथित रूप से आपत्तिजनक स्थिति बनी।

शिकायतकर्ता का कहना है कि 28 जनवरी को उपनिरीक्षक ने फिर घर आकर पत्नी से मिलने की जिद की और विरोध पर पूरे परिवार को डकैती के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी।

इस संबंध में क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत ने बताया कि शिकायतकर्ता, उसकी पत्नी और संबंधित उपनिरीक्षक को बयान के लिए बुलाया गया है। प्राप्त बयानों और तथ्यों के आधार पर विधिक एवं आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कमरे में फंदे से लटका मिला मजदूर का शव

रामसनेहीघाट-बाराबंकी। थाना क्षेत्र के भेंदुवा बहरेला गांव में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक का शव उसके ही कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान भेंदुवा बहरेला निवासी रामदीन (33) पुत्र पृथ्वीपाल के रूप में हुई है। वह मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

परिजनों के अनुसार रामदीन की पत्नी लगभग एक सप्ताह पहले मायके चली गई थी, जिसके बाद वह घर में अकेला रह रहा था। बताया गया कि वह सामान्यतः कमरे के बाहर चारपाई पर सोता था। सोमवार सुबह जब उसकी मां जागीं और चारपाई पर रामदीन को नहीं पाया, तो उन्होंने कमरे का दरवाजा खोला। अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। रामदीन का शव छत के कुंडे से फंदे के सहारे लटका था। मां की चीख-पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। कोतवाली प्रभारी जगदीश प्रसाद शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

करणी सेना के प्रदेश महामंत्री समेत 20 पर मुकदमा

सपा कार्यकर्ता अपहरण-मारपीट मामले में बड़ा एक्शन

» सोशल मीडिया पोस्ट से बढ़ा विवाद

भारतमत रिपोर्टर

रामसनेहीघाट-बाराबंकी। पूर्व मंत्री स्व. राजा राजीव सिंह हड़हा की पुण्य तिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सपा नेता शिवपाल यादव के पैर छूने से जुड़े विवाद पर सोशल मीडिया में की गई पोस्ट अब गंभीर आपराधिक मामले में तब्दील हो गई है। सपा कार्यकर्ता के आरोप पर करणी सेना के प्रदेश महामंत्री अभिनव सिंह समेत 20 लोगों के खिलाफ अपहरण, मारपीट और जान से मारने की धमकी का मुकदमा रामसनेहीघाट कोतवाली में दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के आदेश पर हुई है।

ग्राम जेठबनी निवासी सपा कार्यकर्ता सावन यादव पुत्र निर्मल कुमार ने आरोप लगाया कि 2 फरवरी 2026 को वह रामसनेहीघाट स्थित रवि धर्मकांटा पर बैठा था। तभी फॉर्च्यूनर कार (यूपी 41 एएल 0005) सहित दो अन्य फॉर्च्यूनर गाड़ियों से पहुंचे दबंगों ने अचानक उस पर हमला कर दिया और लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी।

पीड़ित के अनुसार अभिनव सिंह निवासी बहरेला, नरेंद्र सिंह उर्फ सोनू निवासी तिवारीपुर, उदल सिंह निवासी भरहेमऊ, कौशलेन्द्र सिंह निवासी दान्दूपुर लकड़या सहित अन्य लोगों ने उसे जबरन गाड़ी में डालकर अपहरण कर लिया। इसके बाद उसे रामसनेहीघाट बाईपास स्थित एक प्लॉटिंग में ले जाया गया, जहां लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया।

आरोप है कि इस दौरान युवक के मुंह में बंदूक डालकर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी उसे बेहोशी की हालत में वापस रवि धर्मकांटा पर छोड़कर फरार हो गए। होश में आने पर पीड़ित ने डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस उसे थाने ले गई। सावन यादव ने इसे राजनीतिक रंजिश से जुड़ा मामला बताते हुए पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपहरण, मारपीट, जानमाल की धमकी जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराते हुए जान-माल की सुरक्षा की मांग की।

इधर पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद उसके आवास पहुंचे और पुलिस के उच्चाधिकारियों से बातचीत की।

खेत गयी लापता किशोरी दूसरे दिन मिली, अपहरण का आरोप

निंदूरा-बाराबंकी। कुर्सी थाना क्षेत्र के एक गांव से रविवार शाम खेत जाने की बात कहकर घर से निकली किशोरी लापता हो गई। परिजनों ने आसपास के इलाकों और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद परिजनों ने थाने में तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई। सोमवार को किशोरी गांव के बाहर स्थित एक मजार के पास बरामद की गई। किशोरी के भाई ने आरोप लगाया कि गांव के चार युवक उसकी बहन को अगवा कर ले गए थे, जिनमें से एक युवक को उसकी बहन पहचानती है।

सफेद हाथी साबित हो रही पानी की टंकी

दुबहा में जल संकट, दो साल से लटका है टंकी का निर्माण कार्य

भारतमत रिपोर्टर

लखीमपुर खीरी। जिले के निघासन तहसील की ग्राम पंचायत दुबहा में राधा स्वामी आश्रम के पास बनी जल जीवन मिशन की ओवरहेड पानी की टंकी पिछले दो वर्षों से चालू नहीं हो सकी है। ग्रामीण इसे भ्रष्टाचार और राजनीतिक साजिश का शिकार बता रहे हैं जिससे पेयजल संकट गहराता जा रहा है। निर्माण पूरा लेकिन सक्रियता में विलंब दुबहा गांव में दो साल पूर्व जल जीवन मिशन के तहत बनी इस टंकी का निर्माण तो पूरा हो गया लेकिन तकनीकी खामियों और फंड की कमी का हवाला देकर इसे आज तक जोड़ा नहीं गया।

ग्रामीण अमरजीत सिंह ने कहा टंकी बनने के बाद भी पानी की सप्लाई लाइनें जोड़ने में जानबूझकर देरी हो रही है। यह साफ भ्रष्टाचार का मामला है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदारों ने घटिया सामग्री इस्तेमाल किया जबकि ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने निरीक्षण में लापरवाही बरती। लाखों के फंड का दुरुपयोगए राजनीतिक हस्तक्षेप ग्रामवासियों ने निर्माण में लाखों रुपये के फंड के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया है। राजनीतिक दबाव के कारण अधिकारी जांच से बच रहे हैं। राधा स्वामी आश्रम होने के बावजूद भी लापरवाही सामने आ रही है।

जिले के शेखपुरा और लालपुर जैसे गांवों में भी जल जीवन मिशन की टंकियों पर इसी तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं, जहां टंकियां फट गईं या बेकार पड़ी रहीं। ग्रामीणों का आक्रोशए प्रशासन से जांच की मांग गांववासी जिलाधिकारी लखीमपुर खीरी बीडीओ निघासन और जल निगम अधिकारियों से तत्काल जांच की मांग कर रहे हैं।

अमरजीत सिंह ने चेतावनी दी है महिलाएं.बच्चे दूर से पानी लाते हैं। टंकी चालू न हुई तो आंदोलन करेंगे। प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। योजनाओं पर सवाल यह घटना उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं पर उठते सवालों को उजागर करती है। लखीमपुर खीरी में कई पंचायतों में करोड़ों का खर्च व्यर्थ हो चुका है। ग्रामीण उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं ताकि उन्हें स्वच्छ पेयजल मिल सके।

महिला से सोने का लॉकेट छीन बाइक सवार बदमाश फरार

निंदूरा-बाराबंकी। कुर्सी थाना क्षेत्र के बैना गांव में सोमवार दोपहर एक महिला से झपटमारी की सनसनीखेज घटना सामने आई। बाइक सवार बदमाश ने पता पूछने के बहाने महिला को रोककर उसके गले से सोने का लॉकेट छीन लिया और मौके से फरार हो गया। घटना से गांव में दहशत का माहौल है।

बैना गांव निवासी राजाराम यादव की पत्नी कमला देवी सोमवार दोपहर गांव के बाहर हाते में बंधे मवेशियों को पानी पिलाने जा रही थीं। इसी दौरान एक युवक बाइक से उनके पास पहुंचा और मोबाइल दिखाकर रास्ता पूछने लगा। महिला कुछ समझ पातीं, उससे पहले ही बदमाश ने झपट्टा मारकर गले से लॉकेट छीना और तेज रफ्तार में भाग निकला।

महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और बदमाश का पीछा भी किया, लेकिन वह लोगों को चकमा देकर फरार हो गया।

उमरा चौकी प्रभारी अखिलेश प्रजापति ने बताया कि पीड़िता की ओर से अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि बदमाश की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

मदरसा बोर्ड परीक्षा शुरू

भारतमत रिपोर्टर

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद की ओर से संचालित मुंशी व मौलवी (सेकेंडरी) तथा आलिम (सीनियर सेकेंडरी) परीक्षा वर्ष2026 सोमवार से जिले के पांच निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में प्रारंभ हो गई। पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्ण एवं नकल-विहीन वातावरण में संपन्न कराई गई।

पहली पाली में सेकेंडरी अरबी व सेकेंडरी फारसी विषय की परीक्षा आयोजित हुई। इस पाली में पंजीकृत 1343 परीक्षार्थियों में से 1010 उपस्थित रहे, जबकि 333 परीक्षार्थियों ने परीक्षा नहीं दी। दूसरी पाली में सीनियर सेकेंडरी एवं सेकेंडरी अरबी विषय की परीक्षा हुई, जिसमें कुल 441 परीक्षार्थियों में से 359 उपस्थित पाए गए और 82 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार परीक्षा के पहले ही दिन कुल 416 छात्र-छात्राएं गैरहाजिर रहे, जिसे लेकर शिक्षा विभाग में चिंता जताई जा रही है।

पहली पाली के दौरान मदरसा निस्वा नूरुल उलूम, जैदपुर केंद्र पर खंड शिक्षा अधिकारी हरख अश्वनी प्रताप सिंह ने औचक निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्र एवं वक्फ निरीक्षक श्रीकांत आजाद अपनी टीम के साथ विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। निरीक्षण के दौरान डीएमओ ने परीक्षार्थियों से प्रश्न पूछकर उनकी तैयारी परखी और सुंदर लेखन वाले छात्रों की सराहना की।

स्वास्थ्य कैम्प धर्म सभा इंटर कालेज में लगा श्री गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा मेला

चिकित्सकों ने बताये स्वस्थ रहने के गुर

भारतमत रिपोर्टर

लखीमपुर खीरी। आज श्री गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 विशाल स्वास्थ्य मेला लखीमपुर के धर्म सभा इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित हुआ। इस मेले में उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री दिनेश सिंह ने दीप जलाकर भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण किया जिसके उपरांत आयोजित स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण कर संधि लगाए गए स्वास्थ्य कैंपों पर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं को उचित सुविधा प्रदान करने वाले डॉक्टरों और स्टॉप को इस करु की बधाई भी दी।

इस स्वास्थ्य मेले में विशेष रूप से बाहर लखनऊ के मेडिकल कॉलेज और डॉ राम मनोहर लोहिया से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों को उनके इस मेले में सहयोग प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया। इसके साथ लखीमपुर खीरी के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ गौरव गोयल डॉ. अंजनी मिश्राए ने बच्चों को किस प्रकार से स्वस्थ रहना चाहिए और किन किन बीमारियों से बचना चाहिए उसके बारे में भी वितर से जानकारी दी। जिससे वह रोग मुक्त रह सकते है। रोगों से बचाव के उपायों पर चर्चा कर उससे सावधान रहने के निर्देश दिए। इस दौरान साथ में डॉ सुशील वर्मा और डॉ सुरेश कुमार और समाजसेवी अंबुज गुप्ता भी मौजूद रहे।

इसके साथ.साथ लखनऊ से आए हुए विभिन्न रोगों के डॉक्टर जिसमें हृदय रोगए दंत रोगए नाकएकानए गला न्यूरोलॉजिस्टए प्लास्टिक सर्जरीए नेफ्रोलॉजिस्ट फिजिशियन डेंटलए होम्योपैथीएआयुर्वेदिकए के साथ टीबी रोगए उनकी चेस्ट जांच एक्स रे भी किए गए इन सुविधाओं का लाभ दूर.दराज से आए मरीज लोगों ने लिया यह उन मरीजों केलिए और भी सुविधा जनक हुई जो लखनऊ नहीं जा सकते थे ऐसे मरीजों का निशुल्क इलाज आज अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी भी पहुंची। इसके साथ संघ से लेकर बीजेपी के तमाम पदाधिकारी गण उपस्थित रहे इस विशेष स्वास्थ्य मेले के कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन का भी बहुत सहयोग प्राप्त रहा। लोगो की माने तो यह जानकारी हुई कि ऐसे कार्यक्रम जिससे नगर व क्षेत्र की जनता को लाभ मिलता है तो इस प्रकार के आयोजन समय समय पर सरकार को करते रहने चाहिए।

इस विशेष स्वास्थ्य मेले में लखीमपुर खीरी के मेडिकल कॉलेज की प्रधानाचार्य वाडी गुप्ता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष गुप्ताए डॉ डी राम जीए डॉ आरएआर मिश्राएसहित अनेकों अनुभवी डॉक्टर्स एमेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्सएऔर प्राइवेट कॉलेजों के छात्र छात्राओं ने भी बढ़ चढ़ कर इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। और कार्यक्रम को सफल बनाया।

घरेलू कलह से आहत युवक ने खुद को मारी गोली, मौत

लखीमपुर खीरी। थाना भीरा क्षेत्र अंतर्गत चौकी पड़रिया तुला के गांव पड़रिया तुला में रविवार अमित खन्ना उर्फ मनी (28) पुत्र सुखदेव राज खन्ना ने घरेलू कलह से आहत होकर लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। परिजन अमित को जिला अस्पताल ले गये जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 09 फरवरी 2026 को लगभग 11रू35 बजे की है। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले अमित की शादी तय हुई थीए जो आगामी 07 मार्च को होनी थी। हालांकि अमित फिलहाल शादी नहीं करना चाहता था और कुछ समय बाद विवाह करने की बात कह रहा था। इसी बात को लेकर घर में बीते कुछ दिनों से कहासुनी और तनाव का माहौल बना हुआ था। परिजनों के अनुसार इसी तनाव में आकर अमित ने गुस्से में आकर यह कदम उठा लिया।

घटना की सूचना पुलिस को देर शाम तक नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि सूचना मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

औक़ात ज़ालिमों की भला अब बताए कौन...

बज़्म फ़रोग़े अदब का 19वां तरही मुशायरा

भारतमत रिपोर्टर

लखीमपुर खीरी। बज़्म फ़रोग़े अदब की जानिब से प्रत्येक माह आयोजित होने वाले तरही मुशायरों की कड़ी में 19वां तरही मुशायरा पूरे अदबी शबाब के साथ संपन्न हुआ। मुशायरे की सदारत बज़्म के सदर आमिर रज़ा ष्मम्मीष् ने कीए जबकि निज़ामत बज़्म के सेक्रेटरी डॉ एहराज़ अरमान ने निभाई। खीरी कस्बे स्थित मदरसा सुल्तान.ए.हिंद में आयोजित इस मुशायरे का आगाज़ तिलावते क़ुरआन और नात.ए.पाक से हुआ। सदारत करते हुए आमिर रज़ा पम्मी ने नातिया अशआर पढ़ते हुए कहा वाह क्या जूदो करम है शहे बतहा तेराए नहीं सुनता ही नहीं माँगने वाला तेरा।

निज़ामत करते हुए डॉ एहराज़ अरमान ने अपने तरही शेर से दाद बटोरी। श्यूसुफ़ का हुस्न बिकने को बाज़ार आ गए, क़ीमत तो सोचिए भला उनकी लगाए कौन।

मुशायरे में शायरों ने तरही मिसरे पर एक से बढ़कर एक अशआर पेश किए। नफ़ीस वारसी ने कहा औक़ात ज़ालिमों की भला अब बताए कौन, मंज़र है कर्बला सा मगर सर कटाए कौन।

इक़बाल अकरम वारसी ने पढ़ा क़हरे ख़ुदा से बस्ती को आख़िर बचाए कौन दावा है जब ख़ुदाई का सर को झुकाए कौन।

शहबाज़ हैरत चिश्ती ने कहा एक ही मदारी का राज अपने गाँव में बस्ती में उसके रहते तमाशा दिखाए कौन।

सैयद सलमान अहमद रिज़वीष् ने यूँ कहा कर डाला क़त्ल वक़्त ने मंसूर.ए.वक़्त कोए दुनिया में अब सदा.ए.अनलहक़ लगाए कौन।

उमर हनीफ़ क़ुरैशी ने सामाजिक चेतना पर शेर पढ़ा हर हाल में बनाइए तालीमयाफ़्ताए ग़ुरबत में भी नहीं सोचिए बच्चे पढ़ाए कौन।

अय्यूब अंसारी ने कहा आती हैं मुझको हिचकियाँ कुछ आजकल बहुत बैठा है मेरी याद की महफ़िल सजाए कौन।

आसिफ़ अंसारी ने अपने शेर से वाहवाही लूटी क़ातिल निगाहें उसकी ये कहती हैं दोस्तों आँखों से क़त्ल होता है ख़ंजर चलाए कौन।

वसीक़ रज़ा कुरैशी ने पढ़ा सबके हैं लब सिले हुए हर आँख ख़ुदपरस्त इंसानियत की लाश पे आँसू बहाए कौन।

हसन अंसारी ने कहा दिल में लगे जो दाग़ हैं उनको मिटाए कौन सर को यज़ीदे वक़्त के आगे झुकाए कौन।

सैफ़ुल इस्लाम ष्सैफ़ष् ने शेर पेश किया हँसना हयात के लिए लाज़िम है दोस्तों दिल पर हो बार.ए.ग़म तो फिर मुस्कराए कौन। तरही मुशायरा देर रात तक अदबी रंग में डूबा रहा और कामयाबी के साथ संपन्न हुआ। श्रोताओं ने शायरों की प्रस्तुति पर भरपूर दाद दी।

'राजामौली की 'वाराणसी' के लिए प्रियंका ने की काफी मेहनत'

बॉलीवुड एजेंसी

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से हिंदी सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। फिल्म की रिलीज में अभी एक साल से भी ज्यादा का समय बाकी है, इसके बावजूद फिल्म अभी से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इसे हिंदी सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। अब प्रियंका के पति निक जोनस ने भी फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की है। फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने इसके प्रति प्रियंका चोपड़ा के लगन की सराहना की है। जैक सैंग शो में पहुंचे निक जोनस ने एक बार फिर प्रियंका चोपड़ा की जमकर तारीफ की है। 'वाराणसी' को लेकर प्रियंका के समर्पण की बात करते हुए निक ने कहा कि प्रियंका पिछले लगभग 14 महीनों से रुक-रुक कर शूटिंग कर रही हैं। यह एसएस राजामौली की एक बड़ी फिल्म है। यह शानदार होने वाली है। फिल्म को लेकर प्रियंका की मेहनत और उनका समर्पण काबिल-ए-तारीफ है। 'वाराणसी' के जरिए प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड के बाद अब फिर से हिंदी भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म में प्रियंका मंदाकिनी की भूमिका निभा रही हैं। पिछले साल जारी किए गए उनके पहले लुक के पोस्टर में अभिनेत्री पीले रंग की साड़ी पहने और हाथ में पिस्तौल लिए एक दमदार अवतार में नजर आई थीं, जो एक शक्तिशाली और एक्शन से भरपूर किरदार का संकेत देता है। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में महेश बाबू रुद्र की भूमिका में दिखेंगे। हालांकि, वो फिल्म में राम के अवतार में भी नजर आएंगे। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में खलनायक 'कुंभा' की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है।

पूजा हेगड़े को छोटे बच्चे से मिला कड़ा मुकाबला

बॉलीवुड एजेंसी

लोकेश कनगराज निर्देशित रजनीकांत स्टारर फिल्म 'कुली' में पूजा हेगड़े ने आइटम सॉन्ग 'मोनिका' किया था। यह काफी चर्चित हुआ। हाल ही में इसी गाने को लेकर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें पूजा हेगड़े को डांस के मामले में एक बच्चा कड़ी टक्कर दे रहा है। इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स भी रिएक्शन दे रहे हैं। हाल ही में पूजा हेगड़े चेन्नई की सत्यभामा यूनिवर्सिटी में हुए एक कल्चरल इवेंट में पहुंचीं। इसी दौरान एक छोटा सा लड़का स्टेज पर आ गया और पूजा के साथ 'मोनिका' गाने पर डांस करने लगा। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। वायरल वीडियो में एक बच्चा पूरे कॉन्फिडेंस के साथ स्टेज पर डांस करता नजर आ रहा है। जैसे ही बच्चा डांस स्टेप्स करता है, तो उसे देखकर पूजा हेगड़े भी हैरान रह जाती हैं। कई बार तो पूजा खुद उस बच्चे के स्टेप्स फॉलो करती नजर आती हैं। बता दें कि फिल्म 'कुली' में भी एक्टर शौबिन साहिर ने पूजा हेगड़े के साथ कमाल का डांस किया था, उन्हीं डांस स्टेप्स को वायरल वीडियो वाले बच्चे ने स्टेज पर किया। सोशल मीडिया पर पूजा हेगड़े वाले वायरल वीडियो पर कई यूजर्स रिएक्शन दे रहे हैं। वह उस बच्चे की खूब तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'लड़का चमक गया, पूजा चौंक गईं।' एक यूजर ने लिखा, 'इसके पास सिलेब्रिटी से ज्यादा अच्छे मूव्स हैं।' अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'इतनी छोटी उम्र में ऐसा कॉन्फिडेंस, गजब है।' एक यूजर ने तारीफ करते हुए लिखा, 'क्या एनर्जी है, इसने सबको ओवरशेडो कर दिया।

गोविंदा ने बेटे के करियर को सपोर्ट नहीं किया?

बॉलीवुड एजेंसी

गोविंदा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने उन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने अपने बेटे के करियर को सपोर्ट नहीं किया। इस पर गोविंदा ने कहा, मैं फिल्मी और रिश्तों में नाकामयाब रहा हूं।हड्ड से बातचीत में गोविंदा ने कहा, मैंने अपनी फैमिली के लिए राजनीति छोड़ दी थी, क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि मेरे किसी भी द्वेष का असर मेरी फैमिली की जिंदगी पर पड़े, खासकर मेरे बच्चों पर। मैं सिर्फ अपने बच्चों के लिए बाहर आया था। मैंने साजिद नाडियाडवाला से मेरे बेटे को गाइड करने के लिए कहा था। साजिद ने यशवर्धन को फिल्म मेकिंग के अलग-अलग पहलू सिखाने में मदद भी की। मुझसे ज्यादा कुछ नहीं पूछा गया। घर में ऐसा माहौल था कि मैं फिल्मी और रिश्तों में नाकामयाब हूं। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के आरोपों पर गोविंदा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जो लोग मुझ पर प्यार के मामलों को लेकर आरोप लगा रहे हैं, वे गलत हैं। यह कभी ठीक से काम नहीं किया। मैंने चार सुपरस्टार्स और मिस यूनिवर्स रहीं एक्ट्रेसेस के साथ काम किया है, लेकिन मैंने कभी गलत नजर से किसी की ओर नहीं देखा। मेरी कोई भी हीरोइन यह नहीं कह सकती कि मैंने उसे परेशान किया हो या किसी के लिए अपशब्द कहे हों। गोविंदा ने कहा कि वह अपने करियर में साथ काम करने वाले सभी कलाकारों के आभारी हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी आर्टिस्ट्स और हीरोइन्स का धन्यवाद करता हूं।

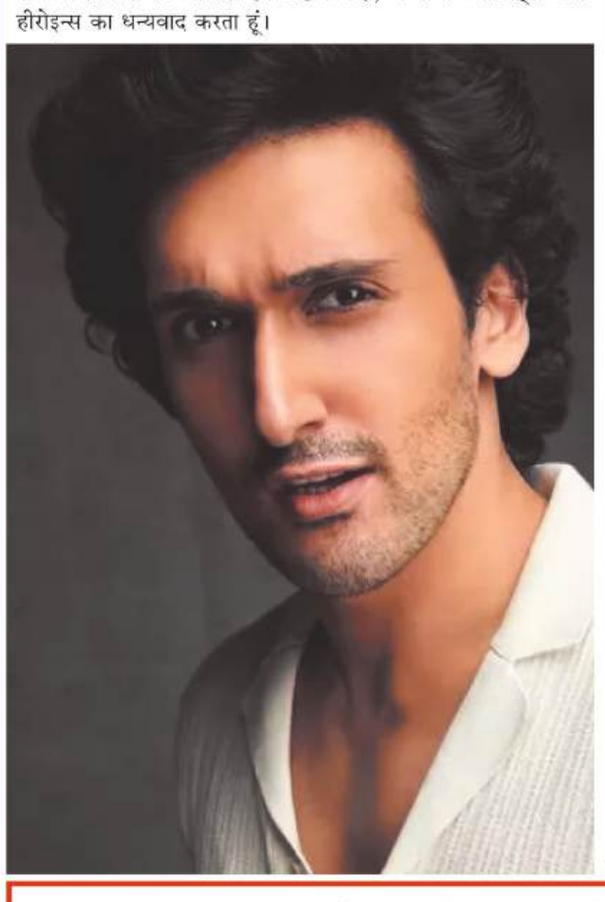

अरुणा ईरानी ने महमूद के साथ रिश्ते पर किया खुलासा

बॉलीवुड एजेंसी

अरुणा ईरानी भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित एक्ट्रेसेस में से एक हैं। अपने करियर में 500 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अरुणा प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने महमूद के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। हाल ही में जूम को दिए एक इंटरव्यू में अरुणा ईरानी ने फिल्मों में काम करने का मौका देने के लिए महमूद को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि उनका रिश्ता एक तरह के एहसान और मजबूरी के भाव से बना था। उन्होंने कहा, महमूद जी ने मुझे सबसे पहले काम दिया। हमारा रिश्ता एक तरह के एहसान और मजबूरी के भाव से बना, और यही वजह थी कि यह हुआ। बाद में महमूद जी अपने अन्य प्रोजेक्ट्स में चले गए और मैं अलग शोज में बिजी हो गई। तभी मुझे ऐसा लगने लगा कि वह मेरा खुले तौर पर फायदा उठा रहे थे। मैंने जो किया, वह मजबूरी और जरूरत की वजह से किया, इसलिए मैं उन्हें अकेले दोषी नहीं ठहराना चाहती। मैं भी इसका समर्थन करती रही। बाद में फिर यह रिश्ता खत्म हो गया। इसी इंटरव्यू में अरुणा ईरानी ने महमूद से अपने विवाह को लेकर लंबे समय से चली आ रही अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी। अरुणा ने कहा, उन्होंने कहा था कि वह मुझसे शादी करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

तेज प्रताप यादव ने बढ़ाए राजपाल यादव की मदद को हाथ

बॉलीवुड एजेंसी

इन दिनों एक चेक बाउंस मामले में बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं। इसी बीच सोनू सूद ने मदद का हाथ बढ़ाया। अब राजनेता तेज प्रताप यादव भी राजपाल यादव की मदद के लिए आगे आए हैं। बीते गुरुवार को अभिनेता राजपाल यादव ने एक चेक बाउंस मामले में तिहाड़ जेल में आत्मसर्मपण किया। उन्होंने बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। साथ ही राजपाल यादव ने कहा कि इस मुश्किल घड़ी में कोई उनका साथ नहीं दे रहा है। लेकिन अब कई लोगा अभिनेता की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। सोनू सूद के बाद जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है। तेज प्रताप यादव ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'मुझे अभी मेरे बड़े भाई राव इंदरजीत यादव जी की पोस्ट के माध्यम से माननीय राजपाल यादव जी के परिवार की पीड़ा के विषय में जानकारी प्राप्त हुई। इस अत्यंत कठिन समय में मैं और मेरा पूरा जन शक्ति जनता दल परिवार, उनके शोकाकुल परिवार के साथ पूरी संवेदना और मजबूती से खड़ा है। मानवीय करुणा और सहयोग की भावना से मैं ग्यारह लाख रुपये की आर्थिक सहायता उनके परिवार को प्रदान कर रहा हूं। मुझे अभी मेरे बड़े भाई राव इंदरजीत यादव जी की पोस्ट के माध्यम से माननीय राजपाल यादव जी के परिवार की पीड़ा के विषय में जानकारी प्राप्त हुई। सोनू सूद ने भी मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर राजपाल यादव को एक फिल्म ऑफर की।

हमलावरों के निशाने पर थे निर्देशक, मैकेनिक बनकर लॉरेंस गैंग के लिए काम करता था आरोपी आसाराम फसाले

बॉलीवुड एजेंसी

फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर 31 जनवरी को पांच राउंड फायरिंग की घटना सामने आई थी, जिसके बाद से मुंबई क्राइम ब्रांच इस मामले की जांच में जुटी हुई है। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ है कि इस फायरिंग में रोहित शेट्टी ही हमलावरों का मुख्य टारगेट थे। इस मामले में पुलिस ने 5 फरवरी को आरोपी आसाराम फसाले को गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच के मुताबिक, आसाराम फसाले पिछले चार वर्षों से गैरेज मैकेनिक के तौर पर काम कर रहा था और लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ था। वह गैंग के मास्टरमाइंड शुभम लोंकर के निर्देश पर हथियारों की सप्लाई करता था। इस केस में पहले से गिरफ्तार चार आरोपियों में से आसाराम फसाले की सीधी पहचान स्वप्निल सकट से थी, जो शुभम लोंकर के जरिए कराई गई थी। बताया जा रहा है कि लोंकर के निर्देश पर फसाले ने ही सकट को हथियार मुहैया कराए थे, जिन्हें बाद में एक अज्ञात शूटर तक पहुंचाया गया। इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल फायरिंग की घटना में किया गया। क्राइम ब्रांच को यह भी जानकारी मिली है कि आसाराम के गैंग से जुड़े होने की भनक उसके कुछ करीबी लोगों को थी। हालांकि, वे लोग कौन हैं और क्या उनका भी लॉरेंस गैंग से कोई सीधा कनेक्शन है, इस एंगल से पुलिस अब जांच कर रही है। इसके अलावा पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस वारदात के लिए आसाराम ने हथियार कहां से हासिल किए थे और इसके बदले उसे कितनी रकम मिली थी। इस एंगल से भी पुलिस टीम लगातार जांच में जुटी हुई है। 31 जनवरी की रात करीब 12.45 बजे मुंबई के जुहू

*इलाके में स्थित फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी। पुलिस के मुताबिक, इस दौरान कम से कम पांच राउंड फायरिंग की गई, जिनमें से एक गोली इमारत में बने जिम के शीशे से जा टकराई थी। वहीं, इंडिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में स्क्रीनशॉट शेयर कर दावा किया गया था कि इस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है। यह स्क्रीनशॉट शुभम लोंकर आरजू बिश्नोई नाम के अकाउंट की फेसबुक पोस्ट का है। इस पोस्ट में लिखा गया था, सभी भाइयों को आज जो ये मुंबई में (शेट्टी टावर) फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी शुभम लोनकर, आरजू बिश्नोई, हरि बॉक्सर, हरमन संधू हम लेते हैं। हमने इसको बहुत बार मैसेज लगाया कि हमारे काम में दखल ना दे, लेकिन इसको समझ में नहीं आया। इसको ये छोटा सा ट्रेलर दिया है। अगर इसने आगे फिर हमारी बात नहीं समझी और हमारी बात नहीं मानी, तो अब घर के बाहर नहीं, अंदर इसके बेडरूम में गोली चलेगी, इसकी छाती पर। इसी पोस्ट में आगे लिखा था, और आगे बॉलीवुड को चेतावनी है कि टाइम रहते सुधर जाओ, नहीं तो बहुत बुरा हाल होगा। तुम्हारा बाबा सिद्दीकी से भी बुरा हाल करेंगे। हमने जिन-जिन लोगों को फोन कर रखा है, या तो टाइम रहते लाइन पर आ जाओ, वरना छिपने के लिए जगह कम पड़ जाएगी। और जितने भी हमारे दुश्मन हैं, तैयार रहो, जल्दी ही मुलाकात होगी तुमसे। नोट- एक ही था, एक ही है और एक ही रहेगा लॉरेंस बिश्नोई गैंग। शुभम लोंकर लॉरेंस गैंग का एक प्रमुख की ऑपरेटिव माना जाता है। शुभम एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या (अक्टूबर 2024) का मुख्य संदिग्ध और साजिशकर्ता है। उसने फेसबुक पर उस हत्या की जिम्मेदारी भी ली थी। वहीं, आरजू बिश्नोई को गैंग का एक सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है, जो सोशल मीडिया और धमकियों के जरिए गैंग की गतिविधियों को संचालित करने में मदद करता है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने पहले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनकी पहचान आदित्य ज्ञानेश्वर गायकवाड़ (19), सिद्धार्थ दीपक येनपुरे (20), समर्थ शिवशरण पोमाजी (18) और स्वप्निल बंडू सकट (23) के रूप में हुई थी। सभी आरोपियों के खिलाफ धारा 109 और 61(2) के साथ शस्त्र अधिनियम की धारा 3 और 25 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 37(1), 37(2) और 135 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें 5 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा गया था।

बदरवास के व्यापारी को शिवपुरी की महिला ने हनीट्रेप में फंसाया, गिरोह का भंडाफोड़

पुलिस ने 5 आरोपी किए गिरफ्तार, 25 हजार नकद जब्त

शिवपुरी। क्राइम पेट्रोल और सावधान इंडिया जैसे नाटकों में उजागर साइबर अपराध अभी तक महानगरों में ही फलीभूत हो रहे थे किंतु अब ऐसे साइबर संबंधित अपराध शिवपुरी जैसी छोटी जगह पर भी अपने पैर पसारने लगे है जो पुलिस महकमे सहित जागरूक जनप्रतिनिधियों को चिंता का विषय होना चाहिए। यदि समय रहते इस प्रकार के अपराधों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो तकनीकी रूप से ठगी के ये मामले पूरे समाज को डुबो सकते है। ऐसे ही एक मामले का शिवपुरी देहात थाना प्रभारी जितेंद्र मावई और उनकी टीम ने राजफाश किया है और इसमें संलिप्त एक युवती और लड़कों को अपनी गिरफ्त में लिया है।जानकारी के अनुसार जिला पुलिस शिवपुरी के देहात थाना क्षेत्र में पुलिस ने हनी ट्रैप के एक संगठित गिरोह का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी जितेन्द्र मावई को शिकायत मिली कि कुछ आरोपियों द्वारा एक युवक को झांसे में लेकर उससे मारपीट कर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे वसूले गए थे। इस पर थाना प्रभारी जितेंद्र मावई ने बताया कि फरियादी आदित्य जैन उम्र 26 वर्ष निवासी बदरवास ने 1 फरवरी 2026 को थाना देहात शिवपुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी के मोबाइल पर 26 जनवरी को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाली युवती ने अपना नाम अंजली बताया और दोस्ती का प्रस्ताव रखा। बाद में मिलने के बहाने फरियादी को बुलाया गया, जहां आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 1 लाख 5640 रुपये की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। साइबर सेल की सहायता से मोबाइल नंबरों की तकनीकी जांच की गई, जिसके बाद आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

यह आरोपी हुए गिरफ्तार

देहात थाना प्रभारी जितेन्द्र मावई के द्वारा की गई इस कार्यवाही में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया इन गिरफ्तार आरोपियों में कल्पना रजक उर्फ अंजली उम्र 23 वर्ष, राजा ओझा उम्र 21 वर्ष, विकास रावत उम्र 19 वर्ष, चंद्रपाल धाकड़ उम्र 40 वर्ष, पवन रावत उम्र 25 वर्ष सभी निवासी शिवपुरी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 25,000 नकद बरामद किए हैं। प्रकरण में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। बता दे कि कुछ समय पूर्व देहात थाना पुलिस बल द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए नशीले पदार्थ की बड़ी तस्करी को भी पकड़ा था। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक जितेंद्र मवाई, एस आई योगेंद्र सेंगर साइबर सेल एवं पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

कोलारस में 22 फरवरी से श्रीराम कथा का भव्य आयोजन

-श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल

भारतमत, ब्यूरो

कोलारस। कोलारस नगर में धर्म, आस्था और संस्कृति का अनुपम संगम देखने को मिलने जा रहा है। नगर स्थित धर्मशाला हनुमान मंदिर परिसर में 22 फरवरी से परम पूज्य श्री राजन जी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बन गया है और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।श्रीराम कथा के आयोजन को लेकर हनुमान मंदिर समिति द्वारा व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। इसी क्रम में समिति के सदस्यों ने शिवपुरी कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठोड़, श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर शिवपुरी के महंत जी, कोलारस के पूर्व विधायक वीरेंद्र रघुवंशी एवं पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष रविन्द्र शिवहरे को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रण पत्र भेंट कर कार्यक्रम में सहभागिता का आग्रह किया।समिति सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीराम कथा के दौरान प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन, भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कथा स्थल को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को एक दिव्य और आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त हो सके।परम पूज्य श्री राजन जी महाराज के मुखारविंद से होने वाली यह कथा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज में संस्कार, सद्भाव और नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार का भी माध्यम बनेगी। आयोजन को लेकर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।हनुमान मंदिर समिति ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से इस पावन अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर श्रीराम कथा का लाभ लेने की अपील की है। कुल मिलाकर यह आयोजन कोलारस नगर के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में एक ऐतिहासिक और यादगार अध्याय जोड़ने जा रहा है।

पांच सौ नए तालाब बनाएगी केंद्र सरकार - बजट चौपाल में बोले धैर्यवर्धन

वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है इस बार का बजटः धैर्यवर्धन

शिवपुरी, ब्यूरो

भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के पूर्व प्रवक्ता धैर्यवर्धन ने आज पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा आयोजित बजट चौपाल में केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत किए बजट पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि वैश्विक व्यापारिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने ठोस, समावेशी, जनकल्याणकारी , समावेशी बजट में सेमीकंडक्टर्स के निर्माण, रेयर अर्थ की खोज , एआई टेक्नोलॉजी, वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर को वरीयता प्रदान की है । मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय कुशवाह ने स्वागत भाषण दिया एवं कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पंकज लोधी द्वारा किया गया । सर्वप्रथम महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि के पश्चात जिलाध्यक्ष संजय कुशवाह, महामंत्री पंकज लोधी, जिला उपाध्यक्ष राम अवतार गोस्वामी, सोनू राठौर, सुनील धाकड़ मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह रावत , मंडल अध्यक्षद्वय आकाश राठौर, यश योगी , सुनील राठौर आदि ने मुख्य अतिथि धैर्यवर्धन का माल्यार्पण कर स्वागत किया । बजट चौपाल में उपस्थितजनो को संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता धैर्यवर्धन ने बताया कि देश में सात नए हाई स्पीड रेल कॉरिडोर , तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान , बीस नए जलमार्ग, पांच सौ नए बड़े तालाब निर्मित करने के साथ रक्षा बजट में पंद्रह प्रतिशत की वृद्धि एवं लघु और मध्यम उद्योग धंधों के लिए दस हजार करोड़ का ग्रोथ फंड बनाने का ऐलान किया है । केंद्रीय बजट में कैंसर, डायबिटीज सहित गंभीर रोगों की छत्तीस दवाओं, ईवी बैटरीज, बायोमिक्स सीएनजी, कपड़ों को सस्ता किया है । धार्मिक पहिचान वाले शहरों के विकास के लिए पांच हजार करोड़ का विशेष प्रावधान कर धार्मिक आस्थावान लोगों का दिल जीता । पांच लाख से अधिक की आवादी के शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए अतिरिक्त राशि का सतत प्रबंध किया है ।

जनसमूह को संबोधित करते हुए भाजपा नेता धैर्यवर्धन ने बताया कि देश के प्रत्येक जिले में एक बालिका छात्रावास भी बनाया जाएगा । अब इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग के लिए और ज्यादा सरलीकरण करते हुए संशोधित रिटर्न फाइलिंग हेतु वर्ष भर की समय सीमा बढ़ा दी गई है । अब टैक्स की गणना की भूल या टैक्स चोरी के मामलों जेल के बजाय अर्थ दंड का प्रावधान करके मुकदमों को कम करने का प्रयास किया है । मोदी सरकार देश और देशवासियों को सुरक्षित आर्थिक भविष्य देने के लिए वर्तमान गढ़ रही है ।

पति ने लगाए बीएमओ और एकाउंटेंट पर प्रताड़ना के आरोप

काम के तनाव से सीएचओ ने किया आत्महत्या का प्रयास

शिवपुरी, ब्यूरो

जिले के कोलारस स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर अटामानपुर में पदस्थ सीएचओ डॉ शीतल सिसोदिया ने मंगलवार दोपहर कथित विभागीय प्रताड़ना से तंग आकर आत्मघाती कदम उठा लिया। उन्होंने एक साथ बीपी की 20 गोलियां खा लीं, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें शिवपुरी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। डॉ शीतल सिसोदिया एक साल के बच्चे की मां हैं, यह घटना मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे आयुष्मान आरोग्य मंदिर अटामानपुर में कार्यालयीन समय के दौरान हुई। दवाइयां खाने के कुछ ही देर बाद डॉ शीतल सिसोदिया की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह तड़पने लगीं। उन्हें गंभीर हालत में उनके सहयोगी स्वास्थ्यकर्मी तत्काल खरई उप स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां सीएससी प्रभारी डॉ प्रतीक श्रीवास्तव ने प्राथमिक उपचार किया। स्थिति गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज शिवपुरी रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद पीड़िता के पति डॉ विकास तोमर ने थाना तेंदुआ पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। डॉ विकास ने आरोप लगाया कि कोलारस बीएमओ डॉ संजय राठौर और एकाउंटेंट संजय जैन द्वारा उनकी पत्नी को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। देर रात 10 से 11 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की जाती थी और नेटवर्क समस्या के चलते मीटिंग में शामिल न हो पाने पर नोटिस जारी कर वेतन कटौती की धमकी दी जाती थी।

डॉ विकास का कहना है कि उनकी पत्नी सभी विभागीय योजनाओं का जमीनी स्तर पर ईमानदारी से क्रियान्वयन कर रही थीं। एक साल का छोटा बच्चा होने के बावजूद वह रोज समय पर ड्यूटी पर जाती थीं और शाम तक कार्य करती थीं। इसके बावजूद देर रात बैठकों, बार-बार नोटिस और दंडात्मक कार्रवाइयों के चलते वह गहरे मानसिक तनाव में थीं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि उनकी पत्नी को कुछ भी होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों की होगी। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि ऐसी प्रताड़ना केवल उनकी पत्नी ही नहीं, बल्कि अन्य महिला स्वास्थ्यकर्मियों के साथ भी की जा रही है, लेकिन आर्थिक मजबूरी के चलते वे आवाज नहीं उठा पा रही हैं।

इनका कहना है

अधीनस्थ कर्मचारियों से काम लेने के लिए गूगल मीट के माध्यम से बैठकें की जाती हैं। शीतल सिसोदिया को नोटिस जरूर दिए गए हैं, लेकिन किसी भी कर्मचारी का वेतन नहीं काटा गया है।
प्रभारी बीएमओ डॉ संजय राठौर

ग्राम हर्रई व हर्रई पुरा में भाईचारे की मिसाल, भाजपा नेता ने बहनों का आशीर्वाद लेकर भेंट की साड़ियां

बहनों का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकतः दिलीप मुद्गल

पोहरी, ब्यूरो

पोहरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हर्रई एवं हर्रई पुरा में भारतीय जनत पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष दिलीप मुद्गल ने सदैव की भांति आज भी सामाजिक सद्भाव और पारिवारिक परंपरा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने गांव की सभी समाज की बहनों से तिलक लगवाकर उनका आशीर्वाद लिया, पैर छूकर सम्मान व्यक्त किया तथा उपहार स्वरूप साड़ियां भेंट कीं। इस अवसर पर गांव की बहनों ने श्री मुद्गल के उज्जवल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर जनसेवा के लिए मंगलकामनाएं कीं। कार्यक्रम के दौरान आत्मीयता और भाईचारे का वातावरण देखने को मिला, जहां सभी ने एकजुट होकर सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। दिलीप मुद्गल ने कहा कि बहनों का आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर ग्रामीणजन और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

निरीक्षक जितेन्द्र मावई थाना प्रभारी, उनि योगेन्द्र सिंह सेंगर, उनि धर्मेन्द्र जाट प्रभारी सायबर सेल शिवपुरी, प्रधान आरक्षक दीपचन्द्र, प्रधान आरक्षक देवेन्द्र सेन, प्रधान आक्षक भूपेन्द्र सिंह तोमर, आरक्षक अरुण मेवाफरोस, आरक्षक सचेन्द्र शर्मा, आरक्षक शकील खान, आरक्षक बदन सिंह, आरक्षक बलवीर सेंगर, महिला आरक्षक अंजली पाठक थाना देहात जिला शिवपुरी एवं आरक्षक भूपेन्द्र सायबर सेल शिवपुरी की मुख्य भूमिका रही।

आबकारी ठेकेदार लालजी शिवहरे के नव युगल जोड़े का धूमधाम के साथ विवाह हुआ संपन्न

विधायक कैलाश कुशवाह, समाजसेवी लक्ष्मीनारायण शिवहरे, एड.डायरेक्टर जनसंपर्क गणेश जायसवाल हुए शामिल

भारतमत, ब्यूरो

शिवपुरी समाजसेवा के क्षेत्र में और हिन्दुत्व एकता के लिए कार्यरत राष्ट्रीय हिन्दू वाहिनी के राष्ट्रीय मंत्री एवं आबकारी ठेकेदार लाल शिवहरे के सबसे छोटे पुत्र अंकुश शिवहरे का विवाह गत दिवस बड़े ही उत्साह, उल्लास और धूमधाम के साथ स्थानीय होटल नक्षत्र मैरिज गार्डन में संपन्न हुआ। इस नव युगल जोड़े को दाम्पत्य सूत्र में बंधने पर इनके भावी जीवन को आर्शीवाद प्रदान करने के लिए पोहरी विधायक कैलाश कुशवाह, समाजसेवी लक्ष्मीनारायण शिवहरे, मुरैना से प्रकाशित दै.हिन्दुस्तान एक्सप्रेस के संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे त्रिलोकचन्द्र अग्रवाल (बल्लू भैया) बीड़ी नं.72, वरिष्ठ समाजसेवी रामकुमार शिवहरे, पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत रविन्द्र शिवहरे, जनसंपर्क विभाग भोपाल में पदस्थ एड.डायरेक्टर गणेश जायसवाल सहित नगर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं बड़ी संख्या में शिहवरे समाज के समाज बन्धुजन सपरिवार शामिल हुए। इस दौरान सभी के लिए इस मांगलिक अवसर पर ना-ना प्रकार के भोजन के रूप में स्वादिष्ट चाट, भोजन एवं मिष्ठान की व्यवस्था की गई जो सभी के आकर्षण का केन्द्र रही। बारात में भी बड़ी संख्या में युवाओं की टोली ने अंकुश की बारात में चार चांद लगाए और डीजे-ढोल की थाप पर खूब नृत्य किया। इस विवाह समारोह को लेकर लालजी शिवहरे परिवार के द्वारा विवाह स्थल को एक तरह से राजमहल की तरह से सजाया गया जहां आकर्षक मंच सजावट रही जिसमें सभी आगन्तुकजनों ने नव-दाम्पत्य जोड़ों को आर्शीवाद एवं उपहार प्रदान करते हुए वर-वधु को सुखद एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन का आर्शीवाद प्रदान किया।

डीएसपी अवनीत की विदाई में स्टाफ की आँखें हुईं नम

शिवपुरी, ब्यूरो

अपनी बेस्ट पुलिसिंग के लिए पूरे मध्यप्रदेश में पहचाने जाने वाले खाकी के रक्षक और सत्य वचन सेवा के मार्ग पर चलने वाले अजाक एवं महिला प्रकोष्ठ शिवपुरी के डीएसपी अवनीत शर्मा ने अपने शिवपुरी में नियुक्ति के दौरान खाकी का सम्मान बढ़ाने में हमेशा अपना विशेष योगदान दिया है। इसके साथ-साथ अनुसूचित जाति जनजाति समाज के पीड़ित लोगों और घरेलू हिंसा से प्रताड़ित महिलाओं के लिए न्याय दिलाने हेतु डीएसपी अवनीत शर्मा अपनी विशेष कार्य शैली के चलते पूरे जिले में अपनी विशेष पहचान बनाने में सफल साबित रहे। जब भी कोई गहन जांच करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अफसरों को आवश्यकता पड़ती तो डीएसपी अवनीत शर्मा उन चुनिंदा अधिकारियों में शुमार थे जो सटीक विवेचना करने के लिए पूरे ग्वालियर संभाग में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। हाल ही में उनका स्थानांतरण शिवपुरी से श्योपुर जिले के बड़ौदा अनुविभाग में हो गया है। अपने स्थानांतरण के बाद भी लगातार अवनीत शर्मा जब तक रिलीव नहीं हुए तब तक निरंतर भी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहे। मंगलवार को सीएसपी संजय चतुर्वेदी सहित अजाक थाने के पूरे स्टाफ ने डीएसपी अवनीत शर्मा को भावभीनी विदाई दी। सभी ने माला पहनकर शॉल श्रीफल भेंटकर उनके स्वर्णिम कार्यकाल पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूरे स्टाफ की आंखें नम थीं और उन्होंने भारी मन से अपने अधिकारी डीएसपी अवनीत शर्मा को भावभीनी बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

फोटो स्टेट कॉपी की मशीन के लिए उधार ऋण ना चुकाने पर आरोपी को 6 माह का कारावास एवं 2,68,300 रूपये प्रतिकर की सजा

शिवपुरी- फोटो स्टेट के कारोबार को लेकर बतौर उधार ऋण लेने वाले अभियुक्त ने राशि प्रदाय करने हेतु दिया गया चैक बाउंस हो गया और जब उक्त राशि को परिवादी ने अपने माध्यम से मांगी तो अभियुक्त के द्वारा नहीं दी गई। जिस पर परिवादी ने अपने द्वारा दी गई राशि को प्राप्त करने के लिए अपने अधिवक्ता एड. गजेन्द्र सिंह यदव के माध्यम से माननीय न्यायालय की शरण लेकर प्राप्त करने की गुहार लगाई जिस पर माननीय न्यायालय के द्वारा अभियुक्त को ना केवल उक्त उधार दी गई राशि के रूप में 2 लाख 68 हजार 300 रूपये बल्कि न्याय शुल्क सहित 8300 रूपये की राशि का जुर्माना लगाते हुए 6 माह का सश्रम कारावास की सजा से दण्डित किया गया। उधार लेकर ऋण को नहीं चुकाने वाले आरोपी को माननीय प्रत्यक्ष कुलेश न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जिला शिवपुरी के द्वारा अभियुक्त को धारा 138 परक्राम्य लिखित अधि. के अंतर्गत दोषी पाते हुए उक्त सजा से दण्डित किया। परिवाद के अनुसार अभियुक्त अखिल नंदेश्वर फोटो स्टेट प्रो. मोहन लाल शर्मा निवासी शिवपुरी ने फरियादी नीरज जैन निवासी फतेहपुर रोड़ शिवपुरी से परिचित होने के चलते अपनी पारिवारिक एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं के रूप में बड़ी फोटोकॉपी मशीन खरीदने के लिए राशि 1 लाख 70 हजार रूपये बतौर उधार ऋण के रूप में दिनांक 15.01.2021 को लिए थे, जिसके एवज में अभियुक्त मोहन लाल शर्मा ने परिवादी नीरज जैन को भुगतान हेतु आगामी दिनांक का चैक भुगतान हेतु दिया था, परिवादी नीरज जैन ने उक्त चैक भुगतान हेतु अपने बैंक में जमा किया तो अपर्याप्त राशि की टीप के साथ चैक बैंक द्वारा फरियादी नीरज जैन को वापिस कर दिया गया। उक्त चैक बाउंस होने की सूचना तथा चैक राशि की मांग हेतु अपने अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह यादव के माध्यम से परिवादी नीरज जैन ने अभियुक्त मोहन लाल शर्मा को सूचना पत्र रजिस्टर्ड डाक से भिजवाया था किन्तु अभियुक्त को सूचना पत्र प्राप्त होने के पश्चात भी चैक राशि का अभियुक्त मोहन लाल शर्मा ने भुगतान नहीं किया।

आईटीबीपी कैंपस में बैडमिंटन खेलते समय एएसआई की हार्ट अटैक से मौत

शिवपुरी। आईटीबीपी शिवपुरी कैंपस में तैनात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) नरेंद्र कुमार (51) का सोमवार शाम अचानक निधन हो गया। बताया जा रहा है कि वे कैंपस में बैडमिंटन खेल रहे थे, इसी दौरान अचानक जमीन पर गिर पड़े। साथियों द्वारा उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार एएसआई नरेंद्र कुमार की मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। एएसआई नरेंद्र कुमार के अचानक निधन से पूरे आईटीबीपी कैंपस में शोक की लहर दौड़ गई।

कार्यालय नायब तहसीलदार तहसील पोहरी

इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद पोहरी के स्वच्छता अधोसंरचनाओ, एमआरएप, एफएसटीपी, योनजा के अतंर्गत बहुउदेशीय केन्द्र भवन निर्माण हेतु ग्राम जाखनौद के शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 205/2, 203 कुल रकबा 2.34 हे0 मैं से भूमि आवंटन नजूल निर्वतन नियम के अनुसार भूमि आवंटन की जा रही है इस संबंध में किसी को किसी भी प्रकार की आपति हो तो 15 दिवस के भीतर न्यायालय नायब तहसीलदार पोहरी को प्रस्तुत करें। निर्धारण दिनांक/समय के पश्चात प्राप्त आवेदन/आपति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

स्थान पोहरी
दिनांक 10-02-2026

नायब तहसीलदार
तहसील पोहरी जिला शिवपुरी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा भारतमत प्रेस, बी-15 एमपी नगर, भोपाल से मुद्रित एवं 23-24 सतपुड़ा वाणी परिसर, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल से प्रकाशित RNI Redg. No.MPHIN/2009/38556 संपादक- अरुण श्रीवास्तव, स्थानीय संपादक-शुभकरण पाण्डे, 0755-4903227, 09425675273